+91 7014373732
marudharnews.com
info@marudharnews.com
खबरों और विज्ञापन हेतु संपर्क करे
हिन्दुस्तान की नई आवाज
मरूधर हिन्द
CIN NO.- U74999RJ2020PTC067985
UN NO.- RJ02D0022186
मरूधर हिन्द अब एक नए अंदाज में

वर्ष : 03 | अंक : 176 | जयपुर, शनिवार 30 जून 2022 | कुल पेज : 6

राजस्थान में 26 अगस्त को होंगे छात्रसंघ चुनावः

22 से कर सकेंगे नामांकन, 27 अगस्त को आएगा रिजल्ट

जयपुर। राजस्थान के लाखों स्टूडेंट्स का इंतजार खत्म हो गया है। प्रदेश में 2 साल बाद एक बार फिर छात्रसंघ चुनाव होने जा रहे हैं। शुक्रवार को उच्च शिक्षा विभाग ने छात्रसंघ चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। प्रदेशभर में 26 अगस्त को छात्रसंघ चुनाव के लिए वोटिंग होगी, जबकि 27 अगस्त को रिजल्ट आएगा। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से जारी गाइडलाइन के अनुसार 18 अगस्त को मतदाता सूचियों का प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद 20 अगस्त को फाइनल मतदाता सूची जारी होगी, जबकि 22 अगस्त को उम्मीदवार नामांकन दाखिल कर सकेंगे। 22 अगस्त को ही आपत्ति ली जाएगी।

23 अगस्त को फाइनल नॉमिनेशन लिस्ट जारी होने के साथ ही उम्मीदवार अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। वहीं, 26 अगस्त को वोटिंग की जाएगी। 27 अगस्त को काउंटिंग और रिजल्ट आएगा।

कोरोना के दौरान बंद हो गए थे चुनाव

कोरोना के कारण पिछले दो साल से छात्रसंघ चुनाव नहीं हो रहे थे। राज्यपाल की ओर से गठित टास्क फोर्स ने भी छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने का सुझाव दिया था। बता दें कि जयपुर, जोधपुर समेत प्रदेशभर के विश्वविद्यालयों में लाखों छात्र चुनावों से जुड़ते हैं। अकेले राजस्थान यूनिवर्सिटी में ही 28 हजार छात्र वोटर हैं।

स्मृति ईरानी मानहानि केस

'24 घंटे में ट्वीट हटाएं पवन खेड़ा..', कांग्रेस के तीन नेताओं को दिल्ली हाईकोर्ट का समन

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कथित बार और रेस्तरां लाइसेंस विवाद पर प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा, जयराम रमेश और नेटा डिसूजा के खिलाफ स्मृति ईरानी मानहानि मामले में समन जारी किया है. केंद्रीय मंत्री ने दो करोड़ रुपये की मानहानि के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में सिविल सूट दाखिल किया है. मामले में अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी. गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने रविवार को कांग्रेस नेताओं- जयराम रमेश और पवन खेड़ा को कानूनी नोटिस भेजकर कहा था कि वे उन पर तथा उनकी बेटी पर लगाए गए ''निराधार और झूठे%% आरोपों के लिए माफी मांगें. ईरानी ने यह कदम कांग्रेस नेताओं द्वारा आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद उठाया है.

रमेश और खेड़ा ने ईरानी की 18 वर्षीय बेटी जोइश ईरानी पर गोवा में अवैध रूप से बार चलाने का आरोप लगाया था. उन्होंने मंत्री पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग भी की थी.

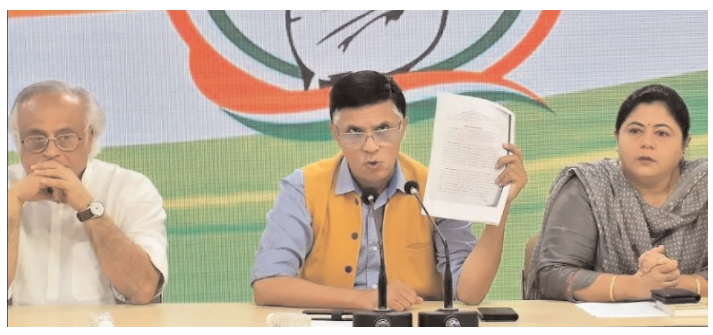

कानूनी नोटिस में कहा गया है कि अगर कांग्रेस नेता बिना शर्त और स्पष्ट रूप से माफी नहीं मांगते हैं तथा अपने आरोप वापस नहीं लेते हैं, तो ईरानी उनके खिलाफ दीवानी और आपराधिक कार्यवाही शुरू करेंगी. ईरानी द्वारा भेजे गए नोटिस में कहा गया है कि कांग्रेस नेताओं ने मंत्री की युवा बेटी पर हमला किया, जो विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष की छात्रा हैं.

नोटिस में कहा गया है कि जोइश ईरानी ने कभी भी कोई बार या कोई व्यावसायिक उद्यम %चलाने% के लिए किसी लाइसेंस के वास्ते आवेदन नहीं किया है. इसमें कहा गया है कि उन्हें गोवा में आबकारी विभाग ने कोई कारण बताओ नोटिस नहीं भेजा है जैसा कि कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है. बयान में कहा गया है, %ये आरोप न केवल हमारी मुवक्किल और उनकी बेटी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि उनकी गरिमा को भंग करने का भी प्रयास हैं.

आरोपों से ईरानी की छवि को नुकसान हुआ- हाईकोर्ट

जस्टिस मिनी पुष्कर्ण की सिंगल जज बेंच ने कहा कि 18 अगस्त तक इन तीनों नेताओं को अपने जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि स्मृति की बेटी जोइश के खिलाफ तथ्यों की जांच किए बिना आरोप लगाए गए हैं। इससे स्मृति की छवि को भी नुकसान पहुंचा है। कोर्ट ने यह भी कहा कि ईरानी को कभी भी कोई लाइसेंस जारी नहीं किया गया था। 24 जुलाई को स्मृति ने कांग्रेस और उसके तीनों के खिलाफ 2 करोड़ की मानहानि का केस भी किया था।

जयराम रमेश बोले- हम कोर्ट के सामने सच लाएंगे

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने समन मिलने की खबर के बाद ट्वीट किया। लिखा, दिल्ली हाईकोर्ट ने हमें स्मृति ईरानी द्वारा दायर मामले का औपचारिक जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया है। हम कोर्ट के सामने फैक्ट रखने के लिए उत्सुक हैं। हम ईरानी की बातों को खारिज करेंगे और उन्हें दोबारा चुनौती देंगे।

वहीं, इस मामले पर दिग्विजय सिंह ने ईरानी की बेटी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी बेटी बार चलाती हैं, तो चलाएं हमें क्या आपत्ति है।

यह मामला तब शुरू हुआ था, जब कांग्रेस ने आरोप लगाया कि स्मृति ईरानी की बेटी जोइश ईरानी गोवा में सिली सोल्स कैफे एंड बार नाम से जो रेस्टोरेंट चलाती हैं, उसका लाइसेंस अवैध है। मालिकों ने शराब के लाइसेंस को जिसके नाम से रिन्यू कराया, उसकी 13 महीने पहले मौत हो चुकी है। इस संबंध में वकील एरेज रोड्रिग्ज ने शिकायत की थी।

छोटी-बड़ी खबरे...

असम में रनवे पर फिसली इंडिगो की फ्लाइट

जोरहाट में विमान के पहिए कीचड़ में फंसे, सभी 98 यात्री सुरक्षित, फ्लाइट कैंसिल

जोरहाट। असम के जोरहाट से कोलकाता जा रहा इंडिगो का विमान रनवे पर फिसल गया। विमान रनवे से उतरकर मैदान में चला गया और उसके पहिए कीचड़ में फंस गए। विमान में सवार सभी 98 यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। घटना गुरुवार दोपहर 2.20 बजे की है। अधिकारियों ने बताया कि फ्लाइट 6ई757 रनवे से फिसली थी। इसके चलते पहले इसे डिले किया गया फिर रात 8.15 बजे फ्लाइट को कैंसिल कर दिया गया। इंडिगो प्रवक्ता ने बताया कि यात्रियों को दूसरी फ्लाइट से कोलकाता भेजा गया है। एयरपोर्ट अथोरिटी ऑफ इंडिया (AAI) के अधिकारियों ने माना है कि विमान में कुछ तकनीकी खराबी थी, जिसकी वजह से हादसा हुआ। AAI और इंडिगो इस घटना की जांच कराएंगे।

स्पाइसजेट के विमान की भी हुई थी कॉशन लैंडिंग

गुरुवार को ही मुंबई से गुजरात के कांडला जा रहे स्पाइसजेट के एक विमान की वापस मुंबई में कॉशन लैंडिंग कराई गई। सभी यात्री और क्रू सुरक्षित हैं। पिछले 40 दिन में स्पाइसजेट के विमान में उड़ान के बाद तकनीकी खराबी के कारण वापस लैंडिंग कराने का यह 9वां मामला था। DGCA के अधिकारी ने कहा कि इसकी जांच शुरू कर दी गई।

एक दिन पहले ही नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने स्पाइसजेट के 50 प्रतिशत उड़ानों पर दो महीने के लिए रोक लगा दी थी। इस दौरान DGCA स्पाइसजेट की उड़ानों पर खास निगरानी करेगा। स्पाइसजेट ने कहा था कि DGCA के आदेश से उड़ान परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि ऑफ सीजन होने से उड़ानों की संख्या पहले ही कम की जा चुकी हैं।

स्पाइसजेट के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

मुंबई से गुजरात जा रहा था प्लेन; तकनीकी खराबी के कारण वापस लौटा

मुंबई से गुजरात के कांडला जा रहे स्पाइसजेट के एक विमान की वापस मुंबई में कॉशन लैंडिंग कराई गई। सभी यात्री और क्रू सुरक्षित हैं। पिछले 40 दिन में स्पाइसजेट के विमान में उड़ान के बाद तकनीकी खराबी के कारण वापस लैंडिंग कराने का यह 9वां मामला है। DGCA के अधिकारी ने कहा कि इसकी जांच शुरू कर दी गई। एक दिन पहले ही नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने स्पाइसजेट के 50 प्रतिशत उड़ानों पर दो महीने के लिए रोक लगा दी थी। इस दौरान DGCA स्पाइसजेट की उड़ानों पर खास निगरानी करेगा। स्पाइसजेट ने कहा था कि DGCA के आदेश से उड़ान परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि ऑफ सीजन होने से उड़ानों की संख्या पहले ही कम की जा चुकी हैं। DGCA ने कहा है कि भारतीय एयरलाइंस ने अपने सभी स्टेशनों पर योग्य इंजीनियरिंग कर्मियों को तैनात किया है। बीते 45 दिनों में विमानों में तकनीकी खामियों की घटनाएं बढ़ने के बाद उन्हें ऐसा करने के लिए कहा गया था।

कॉमनवेल्थ गेम्सः बॉक्सर शिव थापा ने पाकिस्तान के सुलेमान बलोच को हराया, टीटी में भारत की मेंस और विमेंस टीम भी जीती

बर्मिंघम। 22वें कॉमनवेल्थ गेम्स का पहला गोल्ड इंग्लैंड के नाम रहा है। ओलिंपिक चैंपियन एलेक्स यी ने ट्रायथलॉन में पहला गोल्ड मेडल जीत लिया है। वहीं भारत की भी पहले दिन अच्छी शुरुआत रही। टेबल टेनिस मेंस इवेंट में भारतीय टीम ने बारबाडोस को हराकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया। इससे पहले भारतीय बॉक्सर शिव थापा ने 65 किलो वेट कैटगिरी में पाकिस्तानी बॉक्सर सुलेमान बलोच को 5-0 से हराकर अगले दौर में अपना स्थान पक्का किया। इसके अलावा स्वीमर श्रीहरि नटराज सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर गए हैं। टेबल टेनिस विमेंस टीम इवेंट में भी भारतीय टीम ने पाकिस्तान को हराकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया है। अब तक लॉन बॉल, टेबल टेनिस, तैराकी, ट्रायथलॉन, महिला क्रिकेट और साइक्लिंग में भारतीय खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है। बैडमिंटन, नेट बॉल, स्क्वैश और हॉकी के मुकाबले होने शेष हैं।

टेबल टेनिस में मणिका और सृजा ने दिलाई जीत

टेबल टेनिस के महिला ग्रुप-2 के क्वालिफिकेशन राउंड में भारत ने साउथ अफ्रीका को 3-0 से हरा दिया है। भारत ने एक डबल्स और दो सिंगल्स मुकाबले जीत लिए हैं। बता दें कि टेबल टेनिस के टीम इवेंट बेस्ट ऑफ फाइव के आधार पर खेले जाते हैं। तीन मुकाबले जीतने वाली टीम मुकाबला जीत जाती है।

स्वीमर श्रीहरि सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई- केरल के श्रीहरि नटराज ने 100 मीटर बैकस्ट्रोक इवेंट के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। श्रीहरि ने हीट-3 में 54.68 सेकंड की टाइमिंग के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। वे ओवरऑल 5वें नंबर पर रहे। उनसे पहले दिल्ली के तैराक कुशाग्र रावत मेंस 400 मीटर फ्रीस्टाइल स्वीमिंग के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे हैं। वे 8 खिलाड़ियों की हीट में आखिरी स्थान पर रहे। कुशाग्र ने 3:57.45 की टाइमिंग निकाली। सजन प्रकाश (25.01 सेकेंड) 50 मीटर बटरफ्लाई में 8वें नंबर पर रहे। वे ओवरऑल 24वें स्थान पर रहे और सेमीफाइनल (टॉप-16) में क्वालीफाई करने में नाकाम रहे।

ग्रेड थर्ड टीचर्स के ट्रांसफर पर लगी रोकःअब जिले से जिले में भी नहीं होगा ट्रांसफर, 85 हजार से ज्यादा ने पिछले साल किया था आवेदन

जयपुर। राजस्थान में पिछले 3 साल से ट्रांसफर का इंतजार कर रहे थर्ड ग्रेड टीचर का इंतजार और बढ़ गया है। शिक्षा विभाग ने थर्ड ग्रेड टीचर्स के ट्रांसफर पर रोक लगा दी है। जिसके बाद अब जिले से जिले में भी थर्ड ग्रेड टीचर्स के ट्रांसफर नहीं हो सकेंगे। ऐसे में पिछले 1 साल से ट्रांसफर के लिए आवेदन कर अपनी बारी का इंतजार कर रहे टीचर्स की उम्मीदों पर एक बार फिर पानी फिर गया है। दरअसल, राजस्थान में इसी सप्ताह से टीचर्स की ट्रांसफर लिस्ट आनी शुरू हो जाएगी। ऐसे में कई मंत्री और विधायकों ने जब शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला से थर्ड ग्रेड टीचर्स के ट्रांसफर की मांग की। तो उन्होंने साफ इनकार कर दिया। बल्कि जिले से जिले में होने वाले थर्ड ग्रेड टीचर्स के ट्रांसफर पर भी रोक लगा दी है। मंत्री कल्ला ने कहा कि फिलहाल थर्ड ग्रेड टीचर्स के लिए ट्रांसफर पॉलिसी तैयार नहीं हुई है। ऐसे में फिलहाल फर्स्ट ग्रेड और सेकंड ग्रेड टीचर्स की ट्रांसफर होंगे। थर्ड ग्रेड टीचर्स को ट्रांसफर के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा।

सीएस के अप्रूवल का इंतजार

राजस्थान के शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने बताया कि शिक्षा विभाग ने थर्ड ग्रेड टीचर्स के ट्रांसफर के लिए नई ट्रांसफर पॉलिसी बनाई है। जिसे शिक्षा विभाग ने अप्रूवल के लिए मुख्य सचिव को भेज दी है। ऐसे में नई पॉलिसी अप्रूव होने के बाद ने सिरे से ट्रांसफर के लिए आवेदन मांगे जाएगे। वहीं नई शिक्षा नीति के तहत जो भी टीचर उसके अंतर्गत आएगा। उनको ही ट्रांसफर में राहत दी जाएगी।

12 सालों में केवल 2 बार हुए ट्रांसफर

राजस्थान में थर्ड ग्रेड टीचर्स का ट्रांसफर पिछले 12 साल में सिर्फ दो बार हुए हैं। 2010 में कांग्रेस सरकार ने जबकि 2018 में बीजेपी सरकार थर्ड ग्रेड टीचर्स के ट्रांसफर कर चुकी है। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने 2021 में थर्ड ग्रेड टीचर्स के ट्रांसफर की आवेदन मांगे थे। लेकिन अब तक टीचर्स के ट्रांसफर को लेकर कोई पॉलिसी तैयार नहीं हो पाई है। जिसकी वजह से सरकार बनने के 3 साल से ज्यादा वक्त बीत जाने के बाद भी 85 हजार से ज्यादा टीचर अपने ट्रांसफर का इंतजार कर रहे हैं।

18 राज्यों में अगले 3-4 दिन भारी बारिश का अलर्ट

राजस्थान में रेस्क्यू के लिए सेना उतरी; हिमाचल में बादल फटा, जम्मू में स्कूल बंद

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में बारिश का कहर जारी है। मौसम विभाग ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब सहित उत्तर भारत में 1 अगस्त तक तक भारी बारिश की संभावना जताई है। राजस्थान में बाढ़ से हालात खराब हो गए हैं। जम्मू में बारिश की वजह से स्कूल बंद करने के आदेश दिए गए हैं। इधर, हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में गुरुवार को बादल फटने से 6 लोग घायल हो गए। मौसम विभाग ने तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, दक्षिण कर्नाटक, केरल और माहे में भी बारिश की चेतावनी जारी की है। शुक्रवार और शनिवार को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में भारी बारिश होने की संभावना जताई है। इसके अलावा अगले 5 दिनों तक पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट बारिश की संभावना जताई गई है।

राजस्थानः सामान्य से 66प्रतिशत अधिक बारिश

भारी बारिश के कारण रूपनगर में लोग घरों में फंस गए। सेना के 40 जवानों ने इन्हें नाव के जरिए निकाला। राजस्थान में बारिश का दौर तो धीमा पड़ गया, लेकिन जोधपुर में तीन दिन तक हुई बारिश के कारण सड़कें दरिया बन गई हैं। गुरुवार को यहां 2 मिमी बारिश हुई। प्रदेश में 1 जून से 28 जुलाई तक बारिश सामान्य से 66 प्रतिशत अधिक हो चुकी है।

बीच से गायब हुई पत्नी, खोजने में एक करोड़ खर्च

शादी की सालगिरह पर विशाखापट्टनम गया था कपल, वहां से प्रेमी के साथ गई महिला

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम से एक अजीबोगरीब कहानी सामने आई है। एक कपल अपनी शादी की दूसरी सालगिरह मनाने सोमवार को विशाखापट्टनम के आरके बीच पर गया था। इस दौरान पत्नी गायब हो गई। पति को लगा वह समुद्र में डूब गई है। वह उसके शव की तलाश करता रहा। बाद में पता चला कि वह आंध्र के ही नेल्लोर में अपने प्रेमी के साथ है। बीच से उसके गायब होने के बाद पति ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बीच और पास के इलाकों में 2 दिन तक महिला के शव की तलाश की। इसके लिए नेवी के हेलिकॉप्टर की भी मदद ली गई। साथ ही मरीन पुलिस, गोताखोरों, मछुआरों ने खोजबीन की। सर्च ऑपरेशन में प्रशासन के करीब एक करोड़ रुपए खर्च हुए।

शादी की दूसरी सालगिरह मनाने गया था कपल

21 साल की साईप्रिया विशाखापट्टनम की रहने वाली है। उसने दो साल पहले श्रीकाकुलम निवासी श्रीनिवास राव से शादी की थी। पति-पत्नी अपनी शादी की दूसरी सालगिरह मनाने के लिए सोमवार को पहले सिंहचलम मंदिर गए और फिर समुद्र तट पर घूमने चले गए।

2025 तक वायु सेना से हटेंगे मिग विमान

श्रीनगर में तैनात 51 स्क्वाड्रन 30 सितंबर को रिटायर होगी, अगले तीन साल में सभी मिग बाहर होंगे

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना 30 सितंबर तक मिग-21 बाइसन विमानों वाले श्रीनगर एयरबेस के 51 स्क्वाड्रन को रिटायर कर देगी। यह फैसला फ्लाइट सेफ्टी को सुनिश्चित करने के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, जिसे जनवरी 2021 से लेकर बाड़मेर में गुरुवार को हुए हादसे के कारण लिया गया।

पाकिस्तान के एफ-16 को गिराकर मशहूर हुआ 51 स्क्वाड्रन

श्रीनगर एयरबेस पर बना यह स्क्वाड्रन फरवरी 2019 में बालाकोट हवाई हमले के बाद हुए पाकिस्तानी अटैक से मशहूर हुआ है। इसने पाकिस्तान वायु सेना के एफ-16 विमान को मार गिराया था। यह वही स्क्वाड्रन है, जिसका MiG-21 विंग कमांडर अभिनंदन वर्तमान उड़ा रहे थे। सितंबर 2022 के बाद वायु सेना के पास मिग 21 बाइसन के केवल तीन स्क्वाड्रन बचे रहेंगे, जिनमें से एक को हर साल रिटायर किया जाएगा। यानी 2025 में मिग-21 का बेड़ा पूरी तरह से खाली हो जाएगा।

एक और हादसा राजस्थान में हुआ

राजस्थान के बाड़मेर जिले में गुरुवार शाम मिग-21 के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो पायलटों की मौत हो गई। बाड़मेर के भीमदा गांव में आधा किलोमीटर के दायरे में विमान का मलबा बिखरा मिला। इस दुर्घटना ने एक बार फिर भारतीय वायुसेना के बेड़े में सोवियत मूल के मिग-21 विमानों की खामियों को उजागर कर दिया है। भारतीय वायु सेना में 1960 के दशक की शुरुआत में शामिल होने के बाद से मिग-21 के साथ लगभग 200 दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

उड़ता ताबूत और विडो मेकर के नाम से बदनाम- मिग-21 का सेफ्टी रिकॉर्ड बेहद खराब है, इसलिए भारतीय वायु सेना इसे अन्य सक्षम विमानों जैसे एसयू-30 और स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान से बदल रही है। इसमें देरी के कारण ही वायुसेना में MiG अब तक अपनी जगह बनाए है। 1963 के बाद से इंडियन एयर फोर्स को विभिन्न श्रेणी के 872 मिग फाइटर प्लेन मिल चुके हैं। इनमें से करीब 500 फाइटर जेट क्रैश हो चुके हैं। इन हादसों में 200 से ज्यादा पायलट्स व 56 आम लोगों को जान गंवानी पड़ी। इतनी तादाद में हादसों का शिकार होने के कारण Mig-21 उड़ता ताबूत और विडो मेकर के नाम से भी बदनाम है। रूस और चीन के बाद भारत मिग-21 का तीसरा सबसे बड़ा ऑपरेटर है। 1964 में इस विमान को पहले सुपरसोनिक फाइटर जेट के तौर पर एयरफोर्स में शामिल किया गया था।

मेहंदी से हाथ सजाकर दिव्यांग बालिकाओं ने मनाया तीज पर्व

मरुधर हिन्द/हवासिंह चौधरी

बहरोड़। मंथन फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित दिव्यांग बच्चों के निःशुल्क विद्यालय मंथन स्पेशल स्कूल में शुक्रवार को मेहंदी, गीत, व मिठाई के साथ तीज महोत्सव मनाया गया। मंथन सचिव डॉ. सविता गोस्वामी ने बताया कि दिव्यांग बालिकाओं के आग्रह पर उन्हें मेहंदी लगाई गई, तीज के प्रतीक चिन्ह के रूप में माने जाने वाले लहरिया के साथ

बच्चो ने नृत्य व संगीत का लुत्फ उठाया। साथ ही इस अवसर पर नीमराना निवासी प्रकाश सावल ने अपने बेटे आदित्य का जन्मदिन इन बच्चों के साथ मनाया। कार्यक्रम के अंत मे मिठाई व फल वितरित कर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर शालिनी शर्मा, आशु अग्रवाल, ज्योति यादव, मालिक, नेहा, खामोश, दीपिका सहित अन्य बच्चों ने भाग लिया।

करनिकोट उप डाकघर में शिविर का आयोजन हुआ

मरुधर हिन्द/हवासिंह चौधरी

मुंडावर। उपखण्ड छेत्र के समीपवर्ती करनिकोट उप डाकघर में शुक्रवार को सहायक डाक अधीक्षक पी,सी मीणा के नेतृत्व में आरडी खाते, बचत खाते, व सुकन्या खाते खुलवाए गए । सभी शाखा डाकघरों के ब्रांच पोस्ट मास्टर को शिविर में खाता खोलने के प्रेरित किया गया । बचत शिविर में मेल ओवरसीयर गोविंद अवस्थी, उपडाकपाल जयदीप यादव एवं सभी शाखा डाकधर के कर्मचारी भी मौजूद रहे ।

एसडीएम के स्टे आदेश के बावजूद नायबतहसीलदार और पटवारी ने विवादित जमीन पर बनवाया रोड

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

नीमराना। थाना क्षेत्र मे होली टीबा के पास एक विवादित जमीन पर नीमराणा एसडीएम मुकुट चौधरी के द्वारा स्टे जारी किया हुआ है उसके बावजूद नायब तहसीलदार और पटवारी मौके पर पहुंचकर दबंगों के साथ मिलकर रोड पर रोडा व मिट्टी डालकर रोड बनाना शुरू कर दिया। कुलदीप सिंह यादव कार ने कहा कि यह हमारी पुश्तैनी कृषि भूमि है हमारा भाइयों का भी बंटवारा नहीं हुआ है। हमने पगडंडी बना रखी है। लेकिन प्रशासन के साथ मिलकर दबंग लोगों ने हमारी ही जमीन पर उपखंड अधिकारी के आदेश के बावजूद रोड बनाना शुरू कर दिया। साथियों ने कहा कि वह हाथ से अपाहिज हैं हालांकि उपखंड अधिकारी को सूचना के बावजूद भी कार्य नहीं रुका।

तिजारा सैनी विकास समिति की बैठक का हुआ आयोजन

मरुधर हिंद राकेश सैनी

तिजारा सैनी विकास समिति तिजारा की ओर से अलवर रोड स्थित सैनी विकास मंडल पर मोहन लाल सैनी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई ! सैनी विकास समिति के सचिव सोहन सिंह सैनी ने बताया कि बैठक में 14 अगस्त 2022 को समिति के कार्यकारिणी के चुनाव कराए जाने का निर्णय लिया गया ! सैनी विकास मंडल की भूमि को स्वर्गीय बाबा मनोहर लाल सैनी द्वारा दान दी गई थी ! उनका सपना था कि इस स्थान पर एक धर्मशाला का निर्माण हो जो समाज के लोगों के काम आ सकें ! इस स्थान पर एक कमरा तथा कुछ निर्माण कराया गया जो अधूरा पड़ा हुआ है ! सन 2016 में कार्यकारिणी के चुनाव कराए गए थे उसके बाद आज तक इस विकास मंडल का कोई विकास कार्य नहीं कराए जाने को लेकर लोगों ने रोष जाहिर किया ! सैनी समाज प्रधान कृष्ण सैनी ने अपनी ओर से तथा समाज की ओर से हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया !

तिजारा मूसलाधार बारिश से कस्बा हुआ जलमग्न

मरुधर हिंद राकेश सैनी

तिजारा कस्बे में इंद्र देवता हुए मेहरबान बीती रात्रि को तिजारा कस्बे में मूसलाधार वर्षा से तिजारा नगर पालिका प्रशासन की सफाई व्यवस्था की पोल खुल गई कई महीनों से तिजारा कस्बे में बने नालों की सफाई नहीं होने से बरसात का सारा पानी सड़कों पर एवं गली मोहल्लों में भर जाने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है बरसात के कारण तिजारा कस्बे के दुग्ध डेयरी के पास बनी कच्ची बस्ती में पानी भर जाने से कई मकान धराशाई हो गए इसी तरह तिजारा फिरोजपुर मार्ग पर नालों का गंदा पानी सड़कों पर भर गया जिससे यातायात व्यवस्था ठप हो गई और लोगों को आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा थाना परिसर तहसील परिसर आईटीआई कॉलेज परिसर विकास पथ मार्ग विद्युत पावर हाउस के पास एवं तिजारा के निकटवर्ती दमदमा गांव में स्थित सरकारी स्कूल में पानी भर जाने से छात्रों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है विद्यालय के प्रधानाध्यापक उदय सिंह ने बताया कि विद्यालय परिसर में पानी भर जाने से बच्चों की प्रार्थना के बाद छुट्टी कर दी जाती है और विद्यालय भवन में पानी भर गया जिससे कई कमरों में दरार आ गई है तिजारा नगर पालिका प्रशासन द्वारा नालों की सफाई नहीं होने से लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है अब नागरिक नालों की खुद ही सफाई करते नजर आ रहे हैं जानकार लोगों का कहना है कि आपकी बार जैसे भीषण गर्मी का प्रकोप रहा है वैसे ही भारी वर्षा होने की पूरी संभावना है तिजारा कस्बे में 1996 के बाद बारिश नहीं हुई है 1996 में तिजारा सुरमुखी बांध की चादर चली थी और कई बांध लबालब भर गए थे कस्बे के आसपास भू माफियाओं ने नदी नालों की जमीनों पर जो अवैध कालोनियां बसा रखी है जिनके कारण बरसात का पानी नदी नालों में नए जा कर के पानी शहर की सड़कों पर ही भरा रहता है। बरसात के कारण भू माफियाओं की भी पोल खुलती नजर आ रही है।

जोधपुर-जैसलमेर रेल खण्ड पर रेल यातायात सुचारू

मरूधर हिन्द/राज भाटी

जोधपुर। उत्तर - पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के जैसलमेर रेल खंड पर शुक्रवार सुबह से रेल यातायात सुचारू हो गया। मंडल रेल प्रबंधक सुश्री गीतिका पांडेय ने शुक्रवार शाम लोहावट से लौटने के बाद बताया कि दो दिन की कड़ी मशक्कत के बाद लोहावट-फलौदी रेल मार्ग दुरुस्त करवा लिया गया है जिसके तहत शुक्रवार सुबह इस ट्रैक पर पहले मालगाड़ी का सफल संचालन किया गया। उन्होंने बताया कि भारी बरसात के कारण जैसलमेर खंड के लोहावट से फलौदी के बीच पांच जगहों पर पटरी के नीचे मिट्टी बह गई थी जिससे रेल यातायात पूरी तरह से ठप रहा।

उन्होंने बताया कि जल भराव,दलदल और कुछ जगहों पर संकड़े रास्तों के के कारण पटरियों की पुनर्स्थापना का कार्य किसी चुनौती से कम नहीं था लेकिन राहत कार्य में जुटे करीब डेढ़ सौ कर्मचारियों ने विभिन्न मशीनों के माध्यम से इस कार्य को निर्धारित समय अवधि से पूर्व पूरा कर लिया। उन्होंने बताया शुक्रवार सुबह साढ़े छह बजे इस रेलमार्ग को सभी जगहों से दुरुस्त करवा लिया गया था और रेलवे ने इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरा किया। उन्होंने कहा कि हालांकि इस क्षेत्र में इतनी बरसात कभी - कभार होती है इसके बावजूद इस रेल खंड पर विशेष अभियान चला कर ट्रेक के बेस की मजबूती का कार्य करवाया जाएगा ताकि भविष्य में इस तरह की परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़े।

उल्लेखनीय है कि लोहावट फलोदी रेलखंड बाधित होने की जानकारी मिलने के बाद बुधवार दोपहर बाद राहत कार्य शुरू कर दिए गए थे खुद मंडल रेल प्रबंधक गीतिका पांडेय प बुधवार रात लोहावट पहुंची और प्रभावित रेलवे ट्रैक का जायजा लिया और ट्रैक के पूरी तरह दुरुस्त नहीं होने तक लोहावट में ही मोर्चा संभाले रही। उनके साथ अपर मंडल रेल प्रबंधक मनोज गुप्ता और अन्य इंजीनियर पूरे समय प्रभावित स्थलों पर ही डटे रहे।

रेल प्रशासन में यात्री सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पिछले तीन दिनों से अवरुद्ध जोधपुर- जैसलमेर रेल खंड पर ट्रेनों का संचालन शुक्रवार शाम से बहाल कर दिया है । इसके पश्चात सबसे पहली सवारी गाड़ी काठगोदाम से आकर जैसलमेर जाने वाली गाड़ी संख्या 15014 रानीखेत एक्सप्रेस को जोधपुर से रवाना किया गया।

भारी जलभराव के कारण रद्द की गई गाड़ी संख्या 14810/ 14809 और 04826 जोधपुर-जैसलमेर- जोधपुर एक्सप्रेस शनिवार को अपने निर्धारित समय अनुसार संचालित की जाएगी। जबकि रैक की अनुपलब्धता के कारण शनिवार को जैसलमेर से चलकर जोधपुर आने वाली गाड़ी संख्या 04825 रद्द रहेगी।

शाहजहांपुर हाईवे पर सड़क हादसा आगे चल रहे वाहन के द्वारा साइड लेने के दौरान एवं सड़क पर ग ों के चलते गाड़ी पलटी 3 लोग हुए घायल

नीमराना

शाहजहांपुर हाईवे पर परिवहन चेक पोस्ट के पास गुडगांव से जयपुर की तरफ जा रही कार के आगे चल रहे वाहन के द्वारा साइड लेने के दौरान कार हाईवे पर गहरे गड्ढे होने के उपरांत पलट गई ।हादसे के दौरान कार बिल्कुल सड़क किनारे उल्टी पलट गई ।आसपास दुकानदारों एवं ग्रामीणों ने कार का दरवाजा तोड़कर 3 लोगों को कार से बाहर निकाला। हादसे में कार में सवार तीन लोग घायल हो गए। जिनको एंबुलेंस की सहायता से शाहजहांपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया। प्राथमिक उपचार देने के बाद नीमराना के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर शाहजहांपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों के बारे में जानकारी जुटाकर अस्पताल भिजवाया गया। शाहजहांपुर थाने के हेड कांस्टेबल श्रीराम ने बताया की गुड़गांव से जयपुर की तरफ जाते समय परिवहन चेकपोस्ट के समीप कार पलट गई ।हादसे में भरत सहगल उम्र 33 वर्ष,आशीष 32 वर्ष ,हरप्रीत 28 वर्ष घायल हो गए ।जिनको एंबुलेंस के द्वारा अस्पताल भिजवाया गया। वही दुर्घटनाग्रस्त वाहन को क्रेन की सहायता से सीधा करवा कर हाईवे से साइड में रखवाया गया।

हाईवे पर जगह-जगह गहरे गड्ढे एनएचआई नहीं दे रहे समस्या की तरफ ध्यान

शाहजहांपुर नीमराना क्षेत्र सहित निकल रहा राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर जगह जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं। जिससे काफी हादसे आए दिन होते रहते हैं ।लेकिन शाहजहांपुर टोल इतना महंगा होने के बावजूद भी वाहन चालको को हाईवे पर सुविधा नहीं मिल पा रही है।

श्री बाल विकास टीटी कॉलेज नगर में हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम

मरूधर हिन्द

नगर । दिनेश लेखी। श्री बाल विकास टीटी कॉलेज नगर के प्रांगण में शुक्रवार को वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय के कार्यालय प्रभारी दिनेश लेखी ने बताया कि महाविद्यालय प्रांगण में फल एवं फूलों के पौधे के अलावा छायादार पौधों का वृक्षारोपण किया गया। जिसमें नींबू, मौसमी, संतरा,नीम, शीशम,नीम के पौधों का वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबन्धक हरवीर चौधरी द्वारा पर्यावरण की महत्ता पर प्रकाश डाला गया तथा सभी को अपने आसपास अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रवक्ता बलवंत सिंह द्वारा भी सभी को पर्यावरण शुद्ध बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के व्याख्याता बलवंत सिंह, सुनीता सोमवंशी,रजनी कुमारी, सत्यवीर सिंह कम्प्यूटर ऑपरेटर, मोतीलाल,सूकाराम,आदि उपस्थित रहे।

भैंसलाना में एक बालक की तालाब में डुबने से मौत

मरूधर हिंद/विनोद शर्मा

सुबह गांव भैसलाना के पास में सुंडो का बास ग्राम पंचायत एक बालक जिसका नाम विकाश सुंडा जिसकी तालाब में डूबने से मौत हो गई जिसकी पार्थिव देह को ढूंढने के लिए श्रवण कुमार पलसानिया पूरे तालाब में डाइविंग कर सर्च किया और 3 घंटे में घोषणा करी कि इस तालाब में बच्चे की डेड बॉडी नहीं है । साथ के दूसरे तालाब में कुछ देर बाद में तलाश करने पर डेड बॉडी मिली । श्रवण कुमार ने बताया कि मैने आज तक दो सौ ज्यादा डेड बॉडी तालाबो से निकाल चुका हूं। सभी ग्रामीण वासियो ने श्रवण कुमार का निशुल्क एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में बहुत बड़ा काम अपनी स्वयं की जिम्मेदारी और स्वयं के एक्यूमेंट से जो काम किया जो वाकई बहुत ही सराहनीय है....कह कर सराहना की । इस मौके पर एसडीएम सांभर जयंत कुमार चौधरी ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर श्रीमान छोटूराम जी मीणा एवं ग्राम पंचायत ढाणी बोराज सरपंच भेरूराम देगड़ा, दीपक वर्मा ओर तहसीलदार रेनवाल उपस्थित रहे।।

सर्व ब्राह्मण समाज कठूमर के ब्लॉक अध्यक्ष बने सतीश पाराशर

मरूधर हिन्द

कठूमर। कस्बा निवासी सतीश पाराशर सर्व ब्राह्मण महासभा के कठूमर विधानसभा के ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किए गए हैं।

सर्व ब्राह्मण समाज के अलवर जिलाध्यक्ष राजकुमार पंडा ने बताया कि कठूमर कस्बा निवासी सतीश पाराशर समाज के कार्यों में सक्रिय योगदान देते हैं। तथा समाज के प्रत्येक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हैं। उनकी समाज के प्रति सेवा और गहरी आस्था को देखते हुए सर्व ब्राह्मण महासभा कठूमर विधानसभा के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किए गए हैं। तथा इन से अपेक्षा की जाती है कि महासभा के सभी कार्यक्रमों में सक्रियता से भाग लेते रहेंगे और ब्राह्मण समाज के प्रत्येक वर्ग को बढ़ाने एवं संगठन के लिए तन मन धन से सहयोग करने करेंगे।

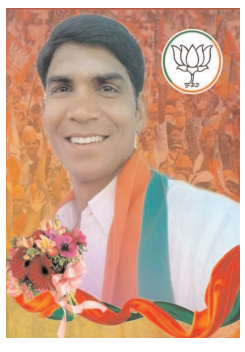

कुएं में गिरे व्यक्ति को खेरली थाना पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कुएं से निकाला जीवित, चिकित्सालय में कराया उपचार।

मरूधर हिन्द

खेरली । दिनेश लेखी। थाना पुलिस ने शुक्रवार को कुएं में गिरे एक व्यक्ति को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकल लिया जानकारी के अनुसार खेरली थाना के थानाधिकारी राजवीर सिंह शेखावत ने बताया कि किसी व्यक्ति ने खेरली थाना पुलिस को सूचना दी की एक व्यक्ति खेरली कस्बे के शमशान घाट के पीछे कुएं में एक व्यक्ति पड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पंहुची । वहा एकत्रित हुए लोगो के सहयोग से रोहित पुत्र अशोक कुमार उम्र करीब 23 साल जाति आदिवाशी निवासी सिजल सिटी थाना रायसिंघ (भोपाल को जीवित बाहर निकाल लिया। कुएं में गिरने से चोटिल हुए रोहित को खेरली चिकित्सालय लेकर आए एवं प्राथमिक उपचार करवा कर पुलिस उसे थाने पर ले आए।

वनरक्षक पर हमला करने वाले अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

मरुधर हिन्द उदयपुर

कोटड़ा पिछले दिनों वनरक्षक पर हमला करने वाले अभियुक्तों को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। दिनांक 27 जुलाई 2022 बुधवार को कोटडा रेंज के वनरक्षक और वनपाल सुबरा- सुबरी वृक्षारोपण के लिए धधमता गांव से होकर जा रहे थे जिस दौरान अशोक पिता पांगता खैर निवासी धधमता व उसके साथ अन्य 5-6 व्यक्तियों ने प्रभुलाल पुत्र देवीलाल जाती मीणा वनरक्षक रेंज कोटड़ा पर हमला कर दिया था जिससे प्रभुलाल के सिर में चोट आई थी। जिसका प्रकरण संख्या 119/2022 धारा 143-332-353-307 भादस में प्रकरण दर्ज कर पुलिस द्वारा जांच शुरू की गई । जिसके चलते इन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

1. अशोक कुमार पिता पांगता उम्र 37 वर्ष निवासी धधमता।
2. रण पिता चुन्नीलाल उम्र 40 वर्ष निवासी खजुरिया।
3. लक्ष्मण पिता कालूराम उम्र 42 निवासी ठेप को गिरफ्तार किया गया एवं अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खैल मशाल रथ यात्रा पहुंची कोटड़ा

मरुधर हिन्द उदयपुर

कोटड़ा- ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं की प्रतिभाओं को तराशने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा की गई बजट घोषणा की अनुपालना में ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का आयोजन किया जाना है। जिसमें समस्त खेलों के प्रचार-प्रसार हेतु मशाल रथ यात्रा कोटड़ा पहुंचने पर ब्लॉक प्रशासन कोटडा द्वारा हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी बीनू देवल, प्रधान सुगना देवी खैर, विकास अधिकारी धनपत सिंह राव, जीवन लाल खराड़ी बीईओ, शकील अहमद जिला खैल अधिकारी, भेरूलाल पंचायत समिति सदस्य, बाबूलाल, मोहन लाल गमार एवं युवा खिलाडियों ने मशाल का अभिनंदन कर राजीव गांधी की फोटो पर माल्यार्पण कर स्वागत किया। एवं उपखण्ड अधिकारी ने कोटड़ा की बालिकाओं को खैल मे ज्यादा से ज्यादा हिस्सा लेने की बात कही तत्पश्चात विकास अधिकारी ने कोटड़ा के युवाओं को तन मन धन के साथ खेल में रुचि दिखाते हुए कोटडा का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित कर फर्स्ट पुरस्कार कोटडा के युवा जीतकर लाने के प्रोत्साहित किया।

करनिकोट पशु चिकित्सा केंद का छह माह से बन्द ताला शुक्रवार को खुला

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

मुंडावर। समीपवर्ती करनीकोट गांव में छह माह से पशु चिकित्सालय के ताला लग रहा था । बगैर चिकित्सक के चलते पशुपालकों में निराशा को मध्यनजर रखते हुए मुंडावर विधायक मनजीत धर्मपाल चौधरी ,करनिकोट सरपंच पिस्ता कैलाश शर्मा ने जिला प्रशासन से इस मुद्दे को गम्भीरता से लेकर शुक्रवार को करनिकोट चिकित्सक डॉ, सुरेश शर्मा को नियुक्ति करवा कर पशुपालको के लिए कार्य करवाया । उल्लेखनीय है कि बगैर चिकित्सक के ताला लगने से पशुपालक परेशान थे ।

चिरुनी नदी में एनीकट बनाने में भारी अनिमितताओं को लेकर ग्रमीणो में रोष

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

मुंडावर। निकटवर्ती चिरूनी की नहावणी नदी में बन रहे एनीकट में भारी अनिमितताओं को लेकर ग्राम पंचायत हटूंडी प्रतिनिधि मूलचंद शर्मा ने ठेकेदारों से सही सामग्री लगाए जाने की मांग की है । इस एनीकट में न तो सीमेंट मानकों के अनुरूप लगाई जा रही है,नाममात्र मसाले से कार्य को किया जा रहा है । चिरुनी के ग्रमीणो में एनीकट में चल रही अनिमितताओं को लेकर रोष व्याप्त है ।

कठूमर के 18 वार्डो में घर-घर फहराया जाएगा तिरंगा - शेरसिहं मीणा

मरूधर हिन्द

कठूमर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आगामी 13 अगस्त से 15 अगस्त तक भारत के 20 करोड़ घरों पर तिरंगा फहराने का महा अभियान प्रारंभ किया गया है। सरपंच शेरसिहं मीणा ने बताया कि कठूमर कस्बे में भी इस अभियान में अपनी भूमिका निभाएगा और सभी वार्डो में प्रत्येक घर पर तिरंगा फहराने के लिए लोगों को प्रेरित करेंगे। और इस राष्ट्रीय पर्व के इस महाअभियान में सहभागी बनेंगें। उन्होने ने कहा कि तिरंगे की उस वक्त ताकत पूरी दुनिया ने देखी थी। जब रूस यूक्रेन युद्ध के दौरान दोनों देशों ने तिरंगा थामें भारतीय विद्यार्थियों को सेफ पैसेज देने के लिए अपना युद्ध तक रोक दिया था। आगे उन्होंने कहा कि 13 से 15 अगस्त तक पूरा विश्व एक अनूठे कीर्तिमान का साक्षी बनने जा रहा है।जब भारत के 20 करोड़ घरों पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहराएगा।

तिजारा भाजयुमो कार्यकारिणी गठित की गई

मरुधर हिंद राकेश सैनी

तिजारा भाजयुमो कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें सुरेश यादव वे सतवीर सैनी बने उपाध्यक्ष. भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष निरंजन सेन ने आज पार्टी प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया जी व भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु शर्मा वे जिला अध्यक्ष बलवान सिंह यादव अलवर उत्तर जिला अध्यक्ष भाजयुमो अभय सिंह बिधूड़ी की सहमति और निर्देशानुसार तिजारा मंडल कार्यकारिणी की घोषणा की कार्यकारिणी में निरंजन सेन तिजारा मंडल अध्यक्ष सुरेश यादव वे सतवीर सैनी को उपाध्यक्ष ,हिमांशु सिंघल वे प्रदीप सिंह महामंत्री ,भूपेंद्र सिंह, प्रीतम पहाड़िया ,राहुल सैनी, प्रवीण कश्यप मंत्री धर्मवीर सैनी कोषाध्यक्ष, सुरजीत सिंह सह कोषाध्यक्ष ,सोनू सिंह सोशल मीडिया प्रभारी ,अजय सैनी आईटी प्रभारी ,उज्जवल लखेरा सह आईटी प्रभारी, रजत मेघवाल कार्यालय मंत्री ,राहुल गोली सह कार्यालय मंत्री , कैलाश स्वर्णकार मंडल कार्यकारिणी समिति, महेश सेन ,सचिन सैनी ,राजकुमार कोहली, अजय खत्री, दीपांशु तनेजा को सदस्य बनाया

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का पुतला दहन कर नारेबाजी कर किया प्रदर्शन

मरूधर हिन्द

अलवर। दिनेश लेखी। जिला कांग्रेस कमेटी अलवर द्वारा जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा के नेतृत्व में शुक्रवार को केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का पुतला दहन कर विरोध प्रकट किया गया। जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा ने बताया कांग्रेश कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की तथा उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी आपसे उम्र में बड़ी हैं। अनुभव में बड़ी हैं। पांच बार लोकसभा के सांसद हैं।और राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। आपका कोई अधिकार नहीं है। अपने से बड़ों को आप बदतमीजी करें और अभद्र भाषा का उपयोग आप नहीं कर सकती जो आपने किया है। इसी को लेकर अलवर जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं ने नंगली सर्किल पर स्मृति ईरानी केंद्रीय मंत्री का पुतला दहन किया गया।

इस कार्यक्रम में योगेश मिश्रा जिलाध्यक्ष,अजीत यादव पूर्व सचिव पीसीसी, डॉक्टर जी एस नरूका पार्षद एवं जिला महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी अलवर प्रभारी दल जगत राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल, रिपुदमन गुप्ता जिला महासचिव, गफूर खान सरपंच,जमशेद खान, ओम प्रकाश सेन, एसआर यादव, जसवंत सिंह यादव, फूल चंद शर्मा, मोहित चंद जैन संयुक्त सचिव राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल, ब्लॉक अध्यक्ष रमन सैनी, ब्लॉक अध्यक्ष हरेंद्र शर्मा, राजेश विरमानी एवं जिले के सभी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

बोल अनमोल

खाकिसारी में मिठास जरूर है मगर उसका ढकोसला करने में न तो मिठास है न ही स्वाद।

- शरतचंद्र

डिजिटल विकास पर जोर

स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और आजीविका समेत जीवन की तमाम मूल जरूरतों के लिए लोगों का परस्पर जुड़ना अनिवार्य हो चुका है। कोरोना महामारी में डिजिटल कनेक्टिविटी से वंचित आबादी का एक बड़ा तबका शिक्षा और इलाज जैसी जरूरतों के लिए दो वर्षों तक दुश्वारियों का सामना करता रहा। डिजिटल असमानता सामान्य जीवनयापन में बड़ी चुनौती बन रही है। सभ्य समाज में ऐसी परिस्थितियां स्वीकार्य नहीं हैं। अतः राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक डिजिटल कनेक्टिविटी की जरूरत है, ताकि हर वर्ग डिजिटल माध्यम का हिस्सा बन सके। कल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने में डिजिटल तकनीकें सबसे बड़ा माध्यम हैं। डिजिटल इंडिया सप्ताह के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया कि जिस तरह से डिजिटल मुहिम को मजबूती दी जा रही है, उससे भारत औद्योगिक क्रांति 4.0 का केवल हिस्सा ही नहीं, बल्कि इसका नेतृत्वकर्ता बन रहा है। इस मौके पर उन्होंने सिंगल साइन ऑन पोर्टल मेरी पहचान, डिजिटल इंडिया भाषिनी, डिजिटल इंडिया जेनेसिस एंड चिप्स टू स्टार्टअप (सीटूएस) समेत अनेक डिजिटल पोर्टल की शुरुआत की। इन कार्यक्रमों से देश में कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी, साथ ही आम जनजीवन में भी सुधार होगा। हाल के वर्षों में डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने आम लोगों को राहत देने के साथ-साथ भ्रष्टाचार और बिचौलियों पर अंकुश लगाया है। वहीं, कल्याणकारी योजनाओं में डिजिटल तकनीकों ने सेवाओं को पारदर्शी व प्रभावी बनाया है। साल 2014 के बाद से प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण यानी डीबीटी से लाभार्थियों के खाते में 23 लाख करोड़ रुपये से अधिक ट्रांसफर किये गये हैं। वहीं आधार, यूपीआई, कोविन और डिजीलॉकर जैसे डिजिटल प्लेटफार्मों से आम सेवाएं आसान हुई हैं। डिजिटल इंडिया मुहिम देश को डिजिटलीकृत सशक्त अर्थव्यवस्था बनाने और ज्ञान आधारित समाज में परिवर्तित करने में मददगार है। मध्य वर्ग और टेक सैवी युवा आबादी को देखते हुए बुनियादी डिजिटल विकास और निवेश पर जोर देना होगा, ताकि देश में नवीनतम डिजिटल प्रौद्योगिकी की आमद और विस्तार हो। करीब 117 करोड़ से अधिक टेलीकॉम उपभोक्ताओं और 82 करोड़ से अधिक इंटरनेट सब्सक्राइबर के साथ भारत डिजिटल उपभोक्ताओं के लिए सबसे तेज उभरता बाजार है। बहुत जल्द 5जी टेक्नोलॉजी की शुरुआत हो रही है। इससे डिजिटल विकास की नयी संभावनाएं सृजित होंगी। इसके मद्देनजर शोध एवं विकास में निवेश बढ़ाने, स्वदेशी उच्च तकनीक निर्माण और डिजिटल कनेक्टिविटी में बौद्धिक संपदा को विकसित करने की जरूरत है।

आज के ट्वीट

पुलिस की बात सुनी, सरकार की बात सुनी। अब घटना स्थल के आसपास के लोगों से मिलने के लिए मौके पर पहुंची हूं। यहां पर अभी भी लोगों में डर व्याप्त है। ऐसे में यहां के लोगों का डर खत्म हो इस दिशा में सरकार को काम करने की जरूरत है। राजस्थान पुलिस अपने स्तर पर कार्य कर रही है। वहीं एनआईए अंतराष्ट्रीय स्तर पर संबंधों को लेकर जांच में जुटी हुई है। अब देखना यह होगा कि इस मामले के तार और कहां-कहां से जुड़ते है।

- वसुधंरा राजे

मैंने कभी किसी फिल्म या पोस्टर का समर्थन नहीं किया। आप सभी संघियों के लिए झूठ बोलना आपको बेहतर हिंदू नहीं बना देगा। मैंने कभी किसी फिल्म या पोस्टर का समर्थन नहीं किया। ना ही धूम्रपान शब्द का उल्लेख किया। मेरा एक सुझाव है। आप तारापीठ में मेरी मां काली के पास जाएं, यह देखने के लिए कि भोग के रूप में क्या चढ़ाया जाता है। जय मां तारा।

- महुआ मोइत्रा

आज का इतिहास

- **1948 - स्वतंत्र भारत की पहली बहुउद्देशीय परियोजना।**
- **1998 - पं. विश्वमोहन भट्ट को सं.रा. अमेरिका का प्रतिष्ठित दशाब्दी का सर्वाधिक प्रशंसित व्यक्ति सम्मान मिला।**
- **1999 - फ़्रांसीसी वैज्ञानिकों द्वारा पेचिस पेचिस के नये टीके**
- **2007 - अमेरिका के दूरसंचार उपग्रह डायरेक्ट वी-10 को रूस के प्रोटान-एम रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया।**
- **2008 - काबुल (अफगानिस्तान) में हुए भारतीय दूतावास पर हमले में 41 लोग मारे गये।**

जन्मे जो आज के दिन

महेन्द्र सिंह धोनी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एवं विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। धोनी की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में नंबर एक का ताज हासिल कर चुकी है। पहले उन्होंने टी-ट्वेंटी विश्वकप 2007 में भारत को जीत हासिल करवाई फिर टेस्ट और एकदिवसीय में भी भारत को नंबर एक तक पहुंचाया। इसके बाद 2011 में 28 साल बाद भारत को एकदिवसीय विश्व कप का खिताब दिलवाया। सूझबूझ भरी कप्तानी, मैदान पर शांत रवैया और किसी भी तरह की जोखिम लेने के लिए हमेशा तैयार रहने वाले कप्तान धोनी युवाओं में एक आदर्श के रुप में देखे जाते हैं। महेन्द्र सिंह धोनी का जन्म बिहार (अब झारखंड) के रांची में 7 जुलाई, 1981 में हुआ था।

- **1656 - गुरु हर किशन सिंह - सिक्खों के आठवें गुरु।**
- **1854 - मोहम्मद बरकतउल्ला - भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे।**
- **1900 - काला वेंकटराव - दक्षिण भारत के एक प्रमुख राजनैतीक कार्यकर्ता।**
- **1934 - राघवजी - 'भारतीय जनता पार्टी' के नेता।**
- **1883 - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, प्रसिद्ध साहित्यकार**

चंद्रगुप्तों को अब चाणक्य नहीं चारण चाहिए!

जयराम शुक्ल

निजाम कभी अक्ल को पनाह नहीं देता क्योंकि वह खुद को सबसे ज्यादा अक्लमंद समझता है। वह बौद्धिकों को चाहता तो है पर अपने दरबारी की शक्ल में जो उसके हुक्म का हुक्का भरता रहे।

अभी हाल ही में एक राष्ट्रीय सेमिनार (वर्चुअल) में भाग लेने का मौका मिला। विषय था... कुशल प्रशासनिक रणनीति बनाने में अकादमिक योगदान की जरूरत। इत्तेफाकन मुझे ही मुख्य वक्ता की भूमिका निभानी पड़ी। वजह जिन कुलपति महोदय को उद्घाटन के लिए आना था वे ऐन वक्त पर नहीं आए। वैसे कुलपतियों के अकादमिक सरोकार बचे ही कहां। बेचारों का पूरा पराक्रम धारा 52 से बचने में ही लगा रहता है। मैंने पढ़ा था कहीं कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद विश्वविद्यालयों के कुलपति का इतना मान सम्मान होता था कि प्रधानमंत्री उस शहर में जाते तो सबसे पहले कुलपतिजी से ही मिलने पहुंचते। जैसे गणेश जी की अर्चना के बाद सभी कर्मकाण्ड पूरे होते हैं वैसे ही कुलपतियों के सम्मान की स्थिति थी। चांसलर और वाइस चांसलर की अंग्रेजी व्याख्या से उलट कुलपति शब्द की भारतीय अवधारणा के सूत्र वशिष्ठ, संदीपन और द्रोणाचार्य जैसे प्राख्यात कुलगुरुओं के आश्रम से जुड़े हैं जहां राम, कृष्ण और अर्जुन जैसे धनुर्धरों ने शिक्षा पाई। सांस्कृतिक रूप से कुलपति शब्द की महत्ता राष्ट्रपति शब्द से किंचित भी कम नहीं।

प्रो. अमरनाथ झा जैसे विद्वान इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति थे, उनका इतना मान सम्मान था कि प्रधानमंत्री भी उनसे समय लेकर मिलते थे। वे पंडित नेहरू को न सिर्फ शैक्षणिक विषयों पर अपितु प्रशासनिक मामलों में अपनी राय देते थे। गलत लगने पर वे नेहरू की नीतियों पर सार्वजनिक टीका टिप्पणी करने से भी नहीं चूकते। झा साहब का बड़ा मान था, विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा की स्थिति यह थी कि हर अभिभावक अपने बच्चे का इलाहाबाद विश्वविद्यालय में दाखिला चाहता था। यह विश्वविद्यालय भारत का ऑक्सफोर्ड था जहां से निकलने वाले छात्र राजनीति, प्रशासन, साहित्य, संस्कृति व अन्य क्षेत्रों में देश का नेतृत्व करते थे। अस्सी के दशक तक इलाहाबाद विश्वविद्यालय भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए अपने विद्यार्थियों को तैय्यार करने के लिए ख्यातनाम था। प्रयाग के आध्यात्मिक व सांस्कृतिक संस्कारों से सिक्त इन मेधावियों की छाप प्रशासन के अलावा भी सार्वजनिक जीवन के विविध क्षेत्रों में देखने को मिलती रही।

आचार्य नरेन्द्र देव जैसे प्रखर समाजवादी चिंतक भी काशी विद्यापीठ व लखनऊ विवि. के कुलपति हुए। वे कांग्रेस व पं. नेहरू के प्रखर आलोचक थे, पर वे विश्वविद्यालय के कुलपति का दायित्व संभालें यह आग्रह स्वयं पंडित नेहरू ने किया था। आज भी इन्हें के सर्वाधिक सम्मानित कुलपति के तौर पर याद किया जाता है। मध्यप्रदेश के विश्वविद्यालयों की कमान दो ऐसे विद्वानों ने संभाली जो मुख्यमंत्री भी बने। सागर विश्वविद्यालय के कुलपति पं. द्वारका प्रसाद मिश्र रहे जबकि रीवा के अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति बनने का श्रेय पं. शंभूनाथ शुक्ल को गया। वे विध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री भी थे। पद्मभूषण पंडित कुंजीलाल दुबे मध्यप्रदेश के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष थे, वे इस पद पर दस साल रहे। नई पीढ़ी को यह जानना

चाहिए कि श्री दुबे 1946 में नागपुर विश्विद्यालय के कुलपति बनाए गए थे। शिक्षाविद राजनेता का बड़ा सम्मान था। डॉ. राधाकृष्णन उच्चकोटि के शिक्षक और दार्शनिक थे, हमारे राष्ट्रपति बने। वह दौर राजनीति में विद्वता की प्रतिष्ठा का स्वर्ण काल था।

जैसा कि नाम से ही प्रकट है विश्वविद्यालय माने ऐसे शैक्षणिक संस्थान जहां समूचे विश्व की विद्याओं का अध्ययन-अध्यापन हो। विश्वभर के अध्येता पढ़ने आएं। आजादी के बाद शुरू हुए हमारे विश्वविद्यालयों के सामने नालंदा और तक्षशिला दृष्टान्त रहा होगा। चीनी अध्येता ह्वेनसांग नालंदा के विद्यार्थी रहे हैं। चाणक्य तक्षशिला में पढ़े भी और पढ़ाया भी। चाणक्य ने अपने शिष्यों को श्रेष्ठ प्रशासक और राजनायिक के रूप में गढ़ा जिन्होंने तीन चौथाई विश्व जीत चुके सिकंदर के पांव भारत में नहीं जमने दिए। सत्ता से स्वयं निरपेक्ष रहते हुए चाणक्य ने भारत को एक गणराज्य के रूप में स्थापित किया। प्रशासनिक रणनीति बनाने में अकादमिक योगदान का चाणक्य-चंद्रगुप्त से बढ़िया शायद ही कोई उदाहरण हो। राजकाज में अकादमिक योगदान और उसके प्रतिफल देखने के लिए हमें ग्रीक और यूनानी दार्शनिकों, चिंतकों की ओर देखने की जरूरत नहीं। हमारे वैदिक वांग्मय और पौराणिक आख्यानों में इसके सूत्र बिखरे पड़े हैं। ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की। पालनहार के नाते भगवान विष्णु को आप प्रधानमंत्री मान सकते हैं। उन्हें परामर्श देने के लिए सप्तर्षि मंडल था। ये सप्तर्षि परामर्श के साथ समय समय पर विष्णुजी को सचेत भी करते थे। विष्णुजी ईश्वर थे फिर भी सहिष्णुता की पराकाष्ठा यह ही थी कि छाती में ब्रह्मर्षि भृग के पद प्रहार के बाद भी प्रत्युत्तर में कहते हैं कि विप्रवर आपको चोट तो नहीं लगी क्योंकि कि मेरी छाती बज्र की भांति कठोर है।

आज की प्रजातांत्रिक व्यवस्था में पदप्रहार तो दूर की बात, वाक्यप्रहार से ही तिलमिलाकर सत्ताएं जीभ खेंचने के लिए तैयार रहती हैं। नारद भी विष्णुजी के भक्त और सलाहकार थे। पर विश्वमोहिनी स्वयंवर में लगा कि विष्णुजी ने उनके साथ छल किया तो नारद ने ऐसा भीषण श्राप दिया जिसे राम बनकर उन्हें त्रेता में भोगना पड़ा, पत्नी के वियोग में। विष्णुजी परम पराक्रमी... जैसा कि नारद ने उलाहना देते हुए कहा... परम सुतंत्र उपर कोउ नाहीं... वे चाहते तो नारद को सृष्टि निकाला दे सकते थे पर नारद की विद्वता व उनकी प्रतिष्ठा में उन्होंने कभी आंच नहीं आने दी।

ऋषियों, देवताओं, ईश्वर के बीच ऐसे वाद, विवाद, संवाद होते रहते थे लेकिन सब परस्पर एक-दूसरे के लिए अपरिहार्य थे। स्तुति की जरूरत थी, तो निंदा और आलोचना की भी। सबका महत्व था। आज तो हाल ये कि... सिर्फ करते रहो वंदना, सत्य कहना समझना मना..।

अब तो राज चाहे किसी का हो असहिष्णुता सत्ता का मौलिक चरित्र बनती जा रही है। अपने देश में सन बहत्तर के बाद से इस प्रवृत्ति को विस्तार ही मिलता गया। स्थिति यह बन गई कि प्रशासन में जो बौद्धिकों का दखल होता था वह मंद पड़ता गया और सलाह की जगह चापलूसी शुरू हो गई।

विश्वविद्यालयों के कुलपति और शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख योग्यता नहीं वरन चापलूसी के आधार पर तय होने लगे हैं। इसलिए एक जमाना वो था जब प्रधानमंत्री कुलपतिजी से मिलने जाया करते थे और आज का जमाना ये कि कुलपतियों का झुंड मंत्रियों के बंगलों में लाइन लगाए खड़ा है। अपने सूबे के एक उच्च शिक्षा मंत्री थे। वे नवरात्र में भंडारा करवाते थे, एक बार मैं भी उनके अनुष्ठान में पहुंचा और यह देखकर चकित रह गया कि विश्विद्यालयों के कई कुलपति भंडारे में पूड़ी -पंजीरी बांटनें में जुटे थे। शहर में कोई मंत्री आए तो स्वागत के लिए राजनीतिक कार्यकर्ताओं से बड़ी माला कुलपति महोदय लिए खड़े रहते हैं... क्या करिएगा।

हमारे चरित्र की ये पतनशीलता हमारी ओढी हुई है। ऐसे में यदि अफसोस मानें कि लोकप्रशासन में हमारी योग्यता की कोई पूछ परख नहीं तो ये गलत बात है। हम हर नकल पश्चिम की करते हैं पर अधकचरी। शिक्षा की गुणवत्ता के बारे में भी नकल कर लें। अमेरिका दुनिया में इसलिये श्रेष्ठ है क्योंकि उसके पास श्रेष्ठ विश्विविद्यालय हैं। चीन इस श्रेष्ठता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। अपने मध्यप्रदेश की बात करें तो राष्ट्रीय संस्थानों को अलग कर दें तो कोई ऐसे संस्थान नहीं जिनकी रैंकिंग देश में सौ के भीतर हो। देश के पैमाने पर तो दुनिया के श्रेष्ठ सौ संस्थानों में भी कोई नंबर नहीं लगता। यह हाल उस देश का है जो अपने गुरुकुलों, नालंदा, तक्षशिला विश्विद्यालयों की बदौलत विश्वगुरू रहा है। यह विमर्श का विषय है कि क्या लोकतांत्रिक व्यवस्था बौद्धिक परंपरा को पनपने नहीं देना चाहती? क्योंकि आमतौर पर यही आरोप लगता है कि राजनीति के बेजा दखल ने शैक्षणिक संस्थाओं का बेड़ा गर्क किया है। जनप्रतिनिधियों के चुने जाने का आधार उनकी योग्यता नहीं अपितु ज्यादा से ज्यादा मत अर्जित करने का कौशल है। और यह कौशल जाति, संप्रदाय, बाहुबल, धनबल से आता है। इन्हीं में से कोई शिक्षामंत्री भी बनता है। नीति नियंताओं में ऐसे ही लोगों का बहुमत होता है। यह भी विचारणीय तथ्य है। पर अमेरिका तो लोकतांत्रिक उदारता की पराकाष्ठा और चीन एक तरह से तानाशाह। पर शिक्षा के क्षेत्र में दोनों तेजी से आगे बढ़े हैं।

बौद्धिकों और शिक्षाविदों का काम पढ़ाने के अलावा लोकशिक्षण का भी है। हमारे यहां के प्रायः बौद्धिक राजनीतिक धाराओं के पिट्टू हैं। अब तो हाल यह कि राजनीतिक दलों की पर्चा बुलेटिन बनाने का काम भी यही देखते हैं। चुनावी लोकतंत्र को किसी के हक में कैसे प्रभावित किया जा सकता है हम यह भी लगातार देख रहे हैं। इनके लिए लोकजागरण राजनीतिक एजेंडा सेट करके उसके प्रपोगंडा का भोंपू बन जाना है। तुलसी के प्रायः सभी समकालीनों को अकबर ने अपना दरबारी बना लिया। ...मांगकर खाइबो मसीत में सोइबो कहते हुये तुलसी नहीं गए। तुलसी अपने आप में एक आंदोलन बन गए और सनातन मूल्यों की रक्षा की। यह कहना गलत है कि सत्ता का दवाब बुद्धि का गला चपा देता है। यह हम पर निर्भर करता है कि कितना दबते हैं। अब तो हाल यह है कि झुकने का इशारा मिलता है तो हम बिछ जाते हैं। सवाल ये है कि पहले हम बौद्धिक कहलाने वाले वाले लोग खुद को नाप लें कि कितने पानी में हैं फिर तय करें कि शासन को लोकजयी बनाने की दिशा में क्या कर सकते हैं।

संपर्कः 8225812813

देरी से दुर्घटना भली

ललित गर्ग

भारत का सड़क यातायात तमाम विकास की उपलब्धियों एवं प्रयत्नों के बावजूद असुरक्षित एवं जानलेवा बना हुआ है। खूनी एवं हादसे को निमंत्रित करती सड़कें नित-नयी त्रासदियों की गवाह बन रही हैं। दुनिया की जानी-मानी पत्रिका 'द लांसेट' में इस मसले पर केंद्रित एक अध्ययन में बताया गया है कि भारत में सड़क सुरक्षा के उपायों में सुधार लाकर हर साल तीस हजार से ज्यादा लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। अध्ययन के मुताबिक, खूनी सड़कों एवं त्रासद दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं- वाहनों की बेलगाम या तेज रफ्तार, शराब पीकर गाड़ी चलाना, हेलमेट नहीं पहनना और सीट बेल्ट का इस्तेमाल नहीं करना। भले ही हर सड़क दुर्घटना को केन्द्र एवं राज्य सरकारें दुर्भाग्यपूर्ण बताती हैं, उस पर दुख व्यक्त करती हैं, मुआवजे का ऐलान भी करती हैं लेकिन बड़ा प्रश्न है कि एक्सीडेंट रोकने के गंभीर उपाय अब तक क्यों नहीं किए जा सके हैं? जो भी हो, सवाल यह भी है कि इस तरह की तेज रफ्तार सड़कों पर लोगों की जिंदगी कब तक इतनी सस्ती बनी रहेगी? सच्चाई यह भी है कि पूरे देश में सड़क परिवहन भारी अराजकता का शिकार है। सबसे भ्रष्ट विभागों में परिवहन विभाग शुमार है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की ओर से दी गई यह जानकारी हतप्रभ करने वाली है कि देश में प्रतिदिन करीब 415 लोग सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाते हैं। कोई भी अनुमान लगा सकता है कि एक वर्ष में यह संख्या कहां तक पहुंच जाती होगी? इसका कोई मतलब नहीं कि प्रति वर्ष लगभग डेढ़ लाख लोग सड़क हादसों में जान से हाथ धो बैठें। इन त्रासद आंकड़ों ने एक बार फिर यह सोचने को मजबूर कर दिया कि आधुनिक और बेहतरीन सुविधा की सड़कें केवल रफ्तार एवं सुविधा के लिहाज से जरूरी हैं या फिर उन पर सफर का सुरक्षित होना पहले सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

'द लांसेट' के अध्ययन में यह तथ्य भी उभर कर सामने आया कि सड़कों पर वाहनों की गति की जांच और लगाम लगाने के लिए जरूरी कदम उठाने से भारत में बीस हजार से ज्यादा लोगों की जान बच सकती है। वहीं केवल हेलमेट पहनने को लोग अपने लिए अनिवार्य मानने लगें और यातायात महकमे की ओर से इस नियम का पालन सुनिश्चित किया जाए तो इससे पांच हजार छह सौ तिरासी जिंदगी बचाई जा सकती हैं। इसी तरह, वाहनों में बैठ कर सफर करने वाले लोगों के बीच सीट बेल्ट के इस्तेमाल को बढ़ावा देकर तीन हजार से अधिक लोगों को मरने से बचाया जा सकता

है। इसके अलावा, शराब पीकर वाहन चलाने की वजह से सड़क हादसों की कैसी तस्वीर बनती है, यह किसी से छिपा नहीं है।

विचारणीय तथ्य है कि हर साल दुनिया भर में सड़क हादसों में साढ़े तेरह लाख से ज्यादा लोगों की जान चली जाती है। इसमें से करीब नब्बे फीसद मौतें कम और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं। अगर सड़क सुरक्षा के कुछ उपायों को ही ठीक से प्रयोग में लाया जा सके, तो मरने वाले कुल लोगों में से लगभग चालीस फीसद तक लोगों को मरने से बचाया जा सकता है। 'दुर्घटना' एक ऐसा शब्द है जिसे पढ़ते ही कुछ दृश्य आंखों के सामने आ जाते हैं, जो भयावह होते हैं, त्रासद होते हैं, डरावने होते हैं, खूनी होते हैं। खूनी सड़कों में सबसे शीर्ष पर है यमुना एक्सप्रेस-वे। इस पर होने वाले जानलेवा सड़क हादसे कब थमेंगे? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि इस पर होने वाली दुर्घटनाओं और उनमें मरने एवं घायल होने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। यही नहीं, देश की अन्य सड़कें इसी तरह इंसानों को निगल रही हैं, मौत का ग्रास बना रही हैं। इनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की मौत यही बताती है कि अपने देश की सड़कें कितनी अधिक जोखिम भरी हो गई हैं। बड़ा प्रश्न है कि फिर मार्ग दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय क्यों नहीं किए जा रहे हैं? सच यह है कि बेलगाम वाहनों की वजह से सड़कें अब पूरी तरह असुरक्षित हो चुकी हैं। सड़क पर तेज गति से चलते वाहन एक तरह से हत्या के हथियार होते जा रहे हैं वहीं सुविधा की सड़कें खूनी मौतों की त्रासद गवाही बनती जा रही हैं।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय लोगों के सहयोग से वर्ष 2025 तक सड़क हादसों में 50 प्रतिशत की कमी लाना चाहता है, लेकिन यह काम तभी संभव है जब मार्ग दुर्घटनाओं के मूल कारणों का निवारण करने के लिए ठोस कदम भी उठाए जाएंगे। कुशल ड्राइवरों की कमी को देखते हुए ग्रामीण एवं पिछड़े इलाकों में ड्राइवर ट्रेनिंग स्कूल खोलने की तैयारी सही दिशा में उठाया गया कदम है, लेकिन इसके अलावा भी बहुत कुछ करना होगा। जरूरत है सड़कों के किनारे अतिक्रमण को दूर करने की, आवारा पशुओं के प्रवेश एवं बेधड़क घूमने को भी रोकने की। ये दोनों ही स्थितियां सड़क हादसों का कारण बनती हैं। यह भी समझने की जरूरत है कि सड़क किनारे बसे गांवों से होने वाला हर तरह का बेरोक-टोक आवागमन भी जोखिम बढ़ाने का काम करता है। इस स्थिति से हर कोई परिचित है, लेकिन ऐसे उपाय नहीं किए जा रहे, जिससे कम से कम राजमार्ग तो अतिक्रमण और बेतरतीब यातायात से बचे रहें। इसमें संदेह है कि उलटी दिशा में वाहन चलाने, लेन की परवाह न करने और मनचाहे तरीके से ओवरटेक करने जैसी समस्याओं का समाधान केवल सड़क जागरूकता अभियान चलाकर किया जा सकता है। इन समस्याओं का समाधान तो तब होगा जब सुगम यातायात के लिए चौकसी बढ़ाई जाएगी और लापरवाही का परिचय देने अथवा जोखिम मोल लेने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, चालान काटना या नये-नये जुमार्नें की व्यवस्था करने से सड़क दुर्घटनाएं रुकने वाली नहीं हैं। यह ठीक नहीं कि जानलेवा सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला कायम रहने के बाद भी राजमार्गों पर सीसीटीवी और पुलिस की प्रभावी उपस्थिति नहीं दिखती।

यह गंभीर चिंता का विषय है कि सड़कों पर बेलगाम गाड़ी चलाना कुछ लोगों के लिए मौज-मस्ती एवं फैशन का मामला होता है लेकिन यह कैसी मौज-मस्ती या फैशन है जो कई जिन्दगियां तबाह कर देती है। ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना त्रासद है और इससे भी बड़ी त्रासदी सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना है। हर स्थिति में मनुष्य जीवन ही दांव पर लग रहा है। इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? परिवहन नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है, केवल चालान काटना समस्या का समाधान नहीं है। देश में 30 प्रतिशत ड्राइविंग लाइसेंस फर्जी हैं। परिवहन क्षेत्र में भारी भ्रष्टाचार है लिहाजा बसों का ढंग से मेनटेनेंस भी नहीं होता। इनमें बैठने वालों की जिंदगी दांव पर लगी होती है। देश भर में बसों के रख-रखाव, उनके परिचालन, ड्राइवरों की योग्यता और अन्य मामलों में एक-समान मानक लागू करने की जरूरत है, तभी देश के नागरिक एक राज्य से दूसरे राज्य में निश्चिंत होकर यात्रा कर सकेंगे। तेज रफ्तार से वाहन दौड़ाने वाले लोग सड़क के किनारे लगे बोर्ड पर लिखे वाक्य "दुर्घटना से देर भली" पढ़ते जरूर हैं, किन्तु देर उन्हें मान्य नहीं है, दुर्घटना भले ही हो जाए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार हैं।)

नूपुर शर्मा मामले में बीजेपी से कहां हुई गलती

बीजेपी और संघ परिवार के अंदर भी यह महसूस किया जा रहा है कि हाल की कुछ घटनाओं से पार्टी के स्तर पर बेहतर तरीके से निपटा जा सकता था। उदाहरण के लिए, नूपुर शर्मा और नवीन जिंदल प्रकरण में बीजेपी क्या करें, क्या ना करें की स्थिति में आ गई, जिससे कार्यकर्ता और समर्थक हैरान थे। यह विवाद असल में पार्टी से जुड़ा था, सरकार की इसमें बड़ी भूमिका नहीं हो सकती थी। पाकिस्तान के एक पत्रकार ने तो नूपुर शर्मा वाले पूरे विडियो का विश्लेषण करते हुए दावा किया कि टीवी डिबेट में मुस्लिम डिबेटर ने विवादित टिप्पणी करने के लिए उन्हें भड़काया था। कई मुस्लिम मौलवियों ने भारत में भी यही बात कही। बीजेपी इसी बात को अपने तरीके से देश के सामने रखती तो स्थिति दूसरी होती।

अवधेश कुमार

विवाद उभरने के साथ बीजेपी नेतृत्व को पूरे डिबेट की विडियो मंगा कर उसका विश्लेषण करना चाहिए था। वे नूपुर शर्मा के बयान से असहमति प्रकट करने के साथ ये दो काम करतेः पहला, प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर बताते कि कैसे मुस्लिम प्रवक्ता हिंदू देवी-देवताओं को अपमानित कर रहे हैं। दूसरा, नेतृत्व से संकेत मिलने के बाद कार्यकर्ता और समर्थक सक्रिय हो जाते और लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपने विरोध के अधिकार का उपयोग करते। लेकिन पार्टी के नूपुर के खिलाफ एक्शन लेने से बीजेपी के सारे प्रवक्ता डर गए। उन्हें लगा कि अगर किसी डिबेट में उनके मुंह से भी कुछ ऐसा-वैसा निकल गया तो उनकी भी नूपुर शर्मा जैसी दशा हो सकती है। यहां तक कि उदयपुर में कत्ल से संबंधित टीवी डिबेट्स में भी बीजेपी प्रवक्ता नहीं दिखे। लेकिन ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। अग्निपथ योजना के विरोध के दौरान बिहार में बीजेपी के अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री के घरों पर हमले हुए, तीन जिला कार्यालय जला दिए गए, जगह-जगह तोड़फोड़ और भीषण आगजनी हुई। लेकिन उसके समानांतर राजनीतिक स्तर पर अहिंसक प्रतिरोध नहीं हुआ। बिहार और केंद्रीय बीजेपी कहीं सड़क पर उतरती नहीं दिखी।

ऐसी हर चुनौती का सामना राजनीतिक स्तर पर करना श्रेष्ठतम रास्ता है। कानूनी एजेंसियों की भूमिका है, लेकिन उनकी सीमाएं हैं। साफ दिख रहा था कि विरोध प्रदर्शनों में एक साथ वे सारी नकारात्मक शक्तियां इकट्ठा हो गई हैं, जो मोदी, शाह, योगी को सत्ता से हटाना चाहती हैं। विरोधी राजनीतिक दल उनका साथ दे रहे थे। इससे बुरी स्थिति क्या होगी, जब पार्टी को लगे कि उसे सड़क पर आना चाहिए। पार्टी मशीनरी को अगर ऐसा महसूस नहीं हुआ तो यह अच्छी बात नहीं है। वास्तव में आक्रामक विरोधों और हिंसा की हालिया तस्वीरों ने पूरे देश को चिंतित किया है। लेकिन उससे कहीं ज्यादा चिंताजनक है सत्ता और राजनीति के स्तर पर इनसे निपटने में दिखीं व्यापक कमियां। ज्ञानवापी या फिर अग्निपथ के विरुद्ध प्रदर्शनों में हुई हिंसा कतई आश्चर्यजनक नहीं थी। नूपुर शर्मा मामले में जब सड़कों पर भड़काऊ नारे लग रहे थे, तभी आने वाले हालात का अंदाजा लगाया जा सकता था।

वैचारिक दृष्टि से नरेंद्र मोदी, अमित शाह, योगी आदित्यनाथ, बीजेपी, संघ और इसे विस्तारित करें तो भारत के विरुद्ध संगठित, सशक्त दुष्प्रचार अभियानों से बार-बार सामना होने के बाद तो इनसे निपटने की सुविचारित, दीर्घकालिक रणनीति और कार्ययोजना आवश्यक हो गई है। जब भी पिछले कुछ वर्षों में ऐसे विरोध हुए, लगा ही नहीं कि इनके समानांतर देश में अहिंसक प्रतिरोध की शक्तियां भी हैं। कृषि कानून विरोधी आंदोलन के दौरान बार-बार अपील होती रही कि कानून के समर्थकों को सड़क पर आना चाहिए। बीजेपी किसान मोर्चा यह काम कर सकती थी, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। नागरिकता संशोधन कानून के दौरान शाहीनबाग के खतरनाक व अवैध धरना के विरुद्ध आम लोगों के आह्वान पर ही अनेक जगह समानांतर विरोध प्रदर्शन हुए। बीजेपी अगर योजनाबद्ध तरीके से सड़कों पर उतरती तो उसका असर होता और इस मामले को लेकर विरोधी शक्तियों को विश्व भर में दुष्प्रचार का अवसर नहीं मिलता। ये तो कुछ उदाहरण है। आप देखेंगे कि ऐसी किसी भी स्थिति में जब स्वयं प्रधानमंत्री या गृहमंत्री अमित शाह बाहर आए, तभी पार्टी को थोड़ा-बहुत खड़ा होते देखा गया है। प्रश्न है कि ऐसा क्यों हो रहा है? सरल उत्तर यही है कि नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय राजनीति में आने के कारण बीजेपी को जनता का मत प्राप्त हो गया, पार्टी सत्ता में आ गई, लेकिन सांस्कृतिक पुनर्जागरण और भारत के पुनर्निर्माण की दृष्टि से बीजेपी और उससे जुड़े संगठनों के अंदर जिस तरह की प्रखरता और स्फूर्ति पैदा होनी चाहिए थी, वह नहीं हुई।

चित्रकूट के घाट से

बीच बिन्ध्य रेवा सुपास

प्रभु चित्रकूट से चले गये। इसकी सूचना पत्रिका द्वारा श्री निषादराज ने प्रेममूर्ति के निकट भेज दी। वे तो मार्ग ही देखा करते थे इस शुभ अवसर का। शीघ्रतापूर्वक गुरुदेव के निकट वह पत्र पहुंचा दिया। और गुरुदेव का स्नेह देखिये। वे वृद्ध महर्षि स्वयं ही पत्र लेकर घर-घर रुद्र कण्ठ से डोलते सुनाते फिर रहे हैं। दूसरे को यह कार्य सौंपना उन्हें भाता ही नहीं। माता कौशल्या के निकट भी महर्षि ने समाचार सुनाया। उनके लाड़िले राघव का समाचार मिला है। साथ ही वे महर्षि अगस्त्य के शिष्य के साथ हैं-इस कल्पना से उन्हें बड़ा साहस है। उनके लिए तो वह जीवन मूरि है। पुलकित हृदय से वे अवनी सखि को यह संवाद सुनाती हैं- सुनी मैं, सखि ! मंगल चाह सुहाई। सुभ पत्रिका निषाद राज की आजु भरत पहं आई।। कुवंर सो कुसल छेम अलि! तेहि फल फुल-गुरु कहं पहुचाई। गुर कृपालु संभ्रम पुर घर घर सादर सबहिं सुनाई।। बधि बिराध, सुर साधु सुखी करि, ऋषि-सिख-आसिष पाई। कुंभज शिष्य समेत संग सिय, मुदित चले दोउ भाई।। बीच बिन्ध्य रेवा सुपास थल बसे हैं परन-गृह छाई। पंथ-कथा रघुनाथ पथिक की तुलसिदास सुनि गाई।। इसके पश्चात् लंकाकाण्ड में ही महाकवि फिर हमें भवसागर श्री भरत का दर्शन कराते हैं। अर्धरात्रि के समय जब सारी अयोध्या निस्तब्ध है- सब लोग निद्रा में निमग्न हैं-तब भी देखिए एक असिधार व्रती जाग रहा है। उनके नेत्र में निद्रा कहां? भगवान् नन्दनन्दन की किसी वियोगिनी भावुक गोपी ने स्वप्न में प्रियतम के दर्शन किए और प्रातःकाल उस स्वप्न-मिलन की घटना सर्वोत्कृष्ट भाव-मग्ना-गोपी को सुनाई। उस प्रेममयी ने कहा-'धन्य हो गोपी! जो तुम स्वप्न में तो उनसे मिल लेती हो। किन्तु सखी यहां तो प्राण-प्यारे के जाने के पश्चात् वैरिणी निद्रा भी छोड़कर चली गई'। आस्माकं तु गते कृष्णे गता निद्रापि बैरिणी।

- पूज्यपाद पं. रामकिंकरजी महाराज

पाक जेलों में 4 महिला समेत 682 भारतीय नागरिक बंद: मुरलीधरन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संसद में बताया कि पाकिस्तान की जेलों में 4 महिलाओं समेत कुल 682 भारतीय नागरिक बंद हैं। राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन ने बताया कि इनमें 17 ऐसे हैं, जो 10 सालों से अधिक समय से पड़ोसी देश की हिरासत में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2014 से अब तक भारत 2,214 भारतीयों को पाकिस्तान से स्वदेश ला चुका है। भाजपा सांसद राकेश सिन्हा द्वारा पाकिस्तान की जेलों में कैद भारतीयों नागरिकों की संख्या पूछे जाने पर मुरलीधरन ने कहा कि कॉन्सुलर एक्सेस संबंधी भारत-पाकिस्तान करार के अंतर्गत एक जुलाई 2022 को पाकिस्तान द्वारा दी गई कैदियों की सूची के अनुसार पाकिस्तान ने स्वीकार किया है कि उसकी जेलों में 633 मछुआरे और 49 नागरिक कैद हैं, जो भारतीय हैं। उन्होंने कहा इन 682 कैदियों में से 4 महिलाएं हैं और 17 कैदी 10 वर्ष से भी अधिक समय से पाकिस्तान की हिरासत में है। विदेश राज्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ राजनीतिक चैनलों के माध्यम से लगातार इस मुद्दे को उठा कर रही है और सजा पूरी कर चुके सभी भारतीय कैदियों की रिहाई एवं स्वदेश वापसी की मांग करती रही है। मुरलीधरन ने कहा कि सरकार, पाकिस्तान में भारतीयों कैदी के कल्याण, सलामती और सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता देती है।

मिशन 2024 में जुटे तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, दिल्ली में अखिलेश यादव से की मुलाकात

नई दिल्ली। 2024 में होने वाले आम चुनाव को लेकर हम सभी राजनीतिक दलों ने अपने समीकरणों को धार देने की शुरुआत कर दी है। वर्तमान में देखें तो जहां ममता बनर्जी एक अलग गठबंधन की कवायद कर रही हैं। तो वहीं तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव भी विपक्षी दलों को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। इन सबके बीच आज तेलंगाना के मुख्यमंत्री नई दिल्ली पहुंचे हैं जहां उन्होंने समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव से मुलाकात की है। इस मुलाकात के दौरान अखिलेश यादव के साथ समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव भी मौजूद रहे। सूत्रों ने बताया है कि दोनों नेताओं के बीच वर्तमान के राजनीतिक हालात और अन्य राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई है। हाल के दिनों में देखें तो अखिलेश यादव और के चंद्रशेखर राव की यह दूसरी मुलाकात थी। यही कारण है कि अपने सियासी गठबंधन के कयास शुरू हो गए हैं। उत्तर प्रदेश में हाल में ही संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव की पार्टी ने 100 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल की है। फिलहाल उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव विपक्ष के नेता भी हैं। दिल्ली की राजनीति को साधने के लिए उत्तर प्रदेश बेहद महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि के चंद्रशेखर राव लगातार अखिलेश यादव से मुलाकात कर रहे।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने दिए मुंबई एयरपोर्ट के पास बनी 48 इमारतों पर कार्रवाई के आदेश

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई एयरपोर्ट के पास 48 इमारतों पर कार्रवाई के आदेश दिया है. हाईकोर्ट ने जिलाधिकारी को आदेश दिए हैं कि एयरपोर्ट और रनवे के बीच में सुरक्षा को लेकर कोई समझौता ना करें और ऐसी इमारतों पर जरूरी कार्रवाई की जाए. अदालत ने आदेश दिया है कि जिस इमारत की ऊंचाई ज्यादा है, उसे कम किया जाए. इससे पूर्व बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को टिप्पणी की कि विमानन में, सब कुछ हवाई यातायात नियंत्रण पर निर्भर करता है और एक गलती से कुछ भी हो सकता है. अदालत मुंबई हवाई अड्डे के पास ऊंची इमारतों से विमानों के लिए खतरों पर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए ये बातें कही थी. मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एम.एस.कार्णिक की खंडपीठ अधिवक्ता यशवंत शेनॉय द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मुंबई शहर के हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्र में निर्धारित ऊंचाई सीमा से ऊपर के भवनों के निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी. शेनॉय ने तर्क दिया कि इन इमारतों से विमान के यहां हवाईअड्डे पर उड़ान भरने और उतरने के समय खतरा हो सकता है और किसी दिन कोई अप्रिय घटना हो सकती है. हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और मुंबई महानगरपालिका से इस मुद्दे पर क्या कार्रवाई की है, इस पर अपना हलफनामा दाखिल करने को कहा है. यह देखते हुए कि इस मुद्दे ने सभी को चिंतित किया, मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता ने कहा कि उन्होंने हाल ही में अजय देवगन-स्टारर हिंदी फिल्म 'रनवे 34' देखी. कुछ भी पायलट पर निर्भर नहीं करता है. सब कुछ हवाई यातायात नियंत्रण पर निर्भर करता है.' 'हमें लगता है कि पायलट ने घोषणा की है कि हम लैंडिंग या टेक ऑफ के लिए तैयार हैं और बाहर का तापमान ऐसा ही है और सब कुछ ठीक है. लेकिन यह सब कई अन्य कारकों पर निर्भर करता है. इधर-उधर एक गलती...कुछ भी हो सकता है.'

आगामी छात्र संघ चुनाव को लेकर घाटा क्षेत्र कुशलगढ में विशाल मीटिंग

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। अखिल राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति छात्र संगठन के बैनर तले आज जिला अध्यक्ष प्रकाश बामणिया, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष मनोज डामोर के नेतृत्व में आज घाटा क्षेत्र कुशलगढ क्षेत्र में विशाल मीटिंग का आयोजन किया गया। आगामी छात्र संघ चुनाव को लेकर चर्चा की गई द्य पूर्व पंचायत समिति सदस्य भैरव लाल जी डामोर ,जिसमें छात्र संघ उपाध्यक्ष कांतिलाल निनामा वरिष्ठ छात्र नेता विजय लाल जी बामणिया, पूर्व संयुक्त सचिव तोलसिंग अड़,कैलाश निहर्ता, राहुल डामोर, ईश्वर लाल डामोर,राकेश कटारा, दिलीप निनामा, व तमाम छात्र संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे द्य मीटिंग में कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए कुशलगढ़ तहसील उपाध्यक्ष सतीश मुनिया, तहसील महासचिव शंभू सिंह डाबी बनाया गया।

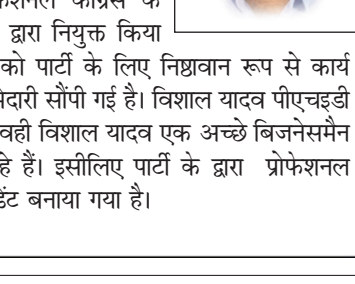

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के प्रोफेशनल कांग्रेस कमेटी के अलवर जिला प्रेसिडेंट बने विशाल यादव

नीमराना

ऑल इंडिया कॉन्ग्रेस कमेटी के प्रोफेशनल कांग्रेस कमेटी के अलवर जिला प्रेसिडेंट मुंडावर के पूर्व विधायक स्वर्गीय मेजर ओपी यादव के पुत्र विशाल यादव को अलवर जिले का प्रेसिडेंट प्रोफेशनल कांग्रेस के चेयरमैन शशि थरूर के द्वारा नियुक्त किया गया है। विशाल यादव को पार्टी के लिए निष्ठावान रूप से कार्य करने के दौरान यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। विशाल यादव पीएचइडी चेंबर का भी सदस्य है। वही विशाल यादव एक अच्छे बिजनेसमैन के तौर पर कार्य कर रहे हैं। इसीलिए पार्टी के द्वारा प्रोफेशनल कॉन्ग्रेस का जिला प्रेसिडेंट बनाया गया है।

जलवायु वि के मुद्दों पर विकसित देशों को दावों की भारत ने खोली पोलः सरकार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्र सरकार ने कहा है कि भारत जलवायु संबंधी वित्त के मुद्दों को उठाने में अग्रणी रहा है कि उसके प्रयासों के चलते ही विकसित देशों के उन अतिशयोक्तिपूर्ण दावों की पोल खुली है, जिनमें कहा गया था कि वे विकासशील देशों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिवर्ष 100 अरब डॉलर संयुक्त रूप से जुटाने को प्रतिबद्ध हैं। वर्ष 2009 में कोपनहेगन में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ता सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) के 15वें पक्षकारों के सम्मेलन (सीओपी-15) में विकसित देशों ने विकासशील देशों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्ष 2020 तक प्रतिवर्ष 100 अमेरिकी अमेरिकी डॉलर संयुक्त रूप से जुटाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी। अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने में विकसित देशों के विफल रहने के कारण पेरिस में आयोजित सीओपी-21 बैठक में 100 अरब डॉलर प्रति वर्ष लक्ष्य का विस्तार वर्ष 2025 तक करने का निर्णय लिया गया था।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री अश्विनी चौबे ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में कहा, ''भारत जलवायु संबंधी वित्त के मुद्दों को उठाने में अग्रणी रहा है। भारत के प्रयासों ने बार-बार विकसित देशों की एजेंसियों के दावों को गलत साबित किया है कि यह लक्ष्य पूरा होने के करीब है। साथ ही यह बताया है कि वर्तमान में जुटाया गया जलवायु संबंधी वित्त वास्तव में बहुत कम है।'' उन्होंने बताया कि भारत जलवायु संबंधी नीति की परिमें स्पष्टता लाने और ऐसे वित्त के पैमाने, दायरे और आपूर्ति की गति के महत्व को स्पष्ट करने की मांग करने में भी अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा इस बात पर कायम रहा है कि जलवायु संबंधी वित्त नया और अतिरिक्त (विदेशी विकास सहायता के संबंध में) मुख्य रूप से अनुदान के रूप में होना चाहिए, ऋण के रूप में नहीं। साथ ही यह शमन और अनुकूलन के बीच संतुलित होना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्तमान में जलवायु संबंधी वित्त की परिके संबंध में तथा आकलनों एवं की गई प्रगति के संबंध में अनेक मुद्दे हैं और धन जुटाने के लक्ष्यों को किस हद तक हासिल किया जा सकता है, इसकेअलग-अलग अनुमान हैं। यूएनएफसीसीसी की वित्त संबंधी स्थाई समिति के चौथे द्विवार्षिक आकलन में वर्ष 2018 तक जलवायु संबंधी वित्त प्रवाह के संबंध में एक अद्यतन समीक्षा और इसके रुझान प्रस्तुत किए हैं और इसके मुताबिक कुल सार्वजनिक वित्तीय सहायता वर्ष 2017 में 45.4 अरब तथा वर्ष 2018 में 51.8 अरब डॉलर थी।

अगले सप्ताह दिल्ली आ रही हैं ममता बनर्जी, पीएम मोदी से हो सकती है मुलाकात

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी अगले सप्ताह दिल्ली दौरे पर आ रही हैं। जानकारी के मुताबिक उनका चार दिवसीय दिल्ली दौरा 4 अगस्त से शुरू होगा। ममता बनर्जी 8 अगस्त तक दिल्ली में रह सकती हैं। हालांकि, अभी तक तारीखों को लेकर अंतिम निर्णय नहीं किया गया है। खबर तो यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी ममता बनर्जी की मुलाकात हो सकती है। नरेंद्र मोदी और ममता बनर्जी की मुलाकात 5 या 6 तारीख को संभव है। ममता बनर्जी की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जब पश्चिम बंगाल में पार्थ चटर्जी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई जारी है। पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता मुखर्जी के घर से प्रवर्तन निदेशालय ने अभी तक 55 करोड से ज्यादा रुपए बरामद किए हैं। इसके साथ ही यह बैठक उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर भी अहम हो जाती है। ममता बनर्जी की पार्टी ने फिलहाल उपराष्ट्रपति चुनाव में शामिल नहीं होने का फैसला लिया है। ममता बनर्जी ने एक बार ऐलान किया था कि वह हर संसद सत्र के दौरान दिल्ली आएंगी। इस लिहाज से भी ममता बनर्जी का यह दौरा काफी अहम माना जा रहा है। सूत्रों ने बताया है कि ममता बनर्जी के दिल्ली दौरे से तृणमूल कांग्रेस के सांसदों का मनोबल बढ़ेगा। तृणमूल कांग्रेस के सांसद लगातार भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे हैं। आपको बता दें कि हाल में संसद से कई सदस्यों को निलंबित किया गया है जिनमें तृणमूल कांग्रेस के साथ सांसद भी शामिल हैं।

पिता की मौत हो गयी है तो बच्चे का सरनेम बदल सकती है माँः सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पिता के निधन के बाद बच्चे की नैसर्गिक अभिभावक होने के नाते मां के पास उपनाम पर निर्णय लेने का अधिकार है। उच्चतम न्यायालय ने यह टिप्पणी आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के फैसले को रद्द करते हुए की। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में महिला को निर्देश दिया था कि वह दस्तावेजों में अपने दूसरे पति का नाम सौतेले पिता के रूप में दर्ज करे। न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की पीठ ने कहा कि दस्तावेजों में महिला के दूसरे पति का नाम 'सौतेले पिता' के रूप में शामिल करने का उच्च न्यायालय का निर्देश 'लगभग क्रूर' और इस तथ्य के प्रति नासमझी को दिखाता है कि यह बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य और आत्मसम्मान को कैसे प्रभावित करेगा।

न्यायालय ने कहा कि बच्चे की एकमात्र नैसर्गिक अभिभावक होने के नाते मां को बच्चे का उपनाम तय करने का अधिकार है और उसे बच्चे को गोद लेने के लिए छोड़ने का भी अधिकार है। शीर्ष अदालत पहले पति की मृत्यु के बाद पुनर्विवाह करने वाली मां और बच्चे के मृत जैविक पिता के माता-पिता के बीच बच्चे के उपनाम से जुड़े एक मामले से सुनवाई कर रही थी।

पीठ ने कहा कि अपने पहले पति की मृत्यु के बाद बच्चे की एकमात्र नैसर्गिक अभिभावक होने के नाते मां को अपने नये परिवार में बच्चे को शामिल करने और उपनाम तय करने से कानूनी रूप से कैसे रोका जा सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि एक नाम महत्वपूर्ण है, क्योंकि एक बच्चा इससे अपनी पहचान प्राप्त करता है और उसके नाम और परिवार के नाम में अंतर गोद लेने के तथ्य की निरंतर याद दिलाने के रूप में कार्य करेगा। ऐसे में बच्चे को अनावश्यक सवालों का सामना करना पड़ेगा, जो उसके माता-पिता के बीच एक सहज और प्राकृतिक संबंध में बाधा उत्पन्न करेंगे।

स्कूली शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को अच्छा मनुष्य, देशभक्त, रोजगार योग्य बनाना: केजरीवाल

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि उनकी स्कूली शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को अच्छा मनुष्य, देशभक्त और रोजगार हासिल करने योग्य बनाना है। 'हैप्पीनेस' पाठ्यक्रम के चार साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में केजरीवाल ने कहा कि जब वह सत्ता में आए थे, तब स्कूलों की स्थिति खराब थी और बोर्ड की परीक्षा के परिणाम भी अच्छे नहीं आते थे। उन्होंने कहा, '' लेकिन अब हम अच्छा कर रहे हैं। हमने विभिन्न पाठ्यक्रम जारी किए हैं और शैक्षणिक दबाव को कम किया है।

'हैप्पीनेस' कक्षाओं से बच्चों का तनाव कम हुआ और इसलिए दिल्ली में छात्रों की आत्महत्या का कोई मामला भी नहीं सामने आया।'' मुख्यमंत्री ने बताया कि वे छात्रों को ऐसा बनाना चाहते हैं, जो ''नफरत'' नहीं बल्कि देश में ''प्रेम के संदेश'' का प्रचार करें। केजरीवाल ने कहा कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी ने भी दिल्ली सरकार की 'हैप्पीनेस' कक्षाओं में हिस्सा लिया था और वह उससे काफी प्रभावित भी हुई थीं।

नवनीत राणा की जान को खतरा! शुभचिंतक ने खत लिखकर किया आगाह- सावधान रहें, कुछ लोग पीछा कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कुछ महीने पहले मीडिया की सुर्खियों में रही अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा को जान से मारने की धमकी मिल रही है। दरअसल, नवनीत राणा ने हाल के दिनों में हिंदू हित की आवाज बढ़-चढ़कर उठाई है। यही कारण है कि वह कट्टरपंथियों के निशाने पर हैं। इन सबके बीच नवनीत राणा को एक गुमनाम खत मिला है। खत में नवनीत राणा को सावधान रहने के लिए कहा गया है। इसमें यह भी लिखा है कि कुछ लोग उनका पीछा कर रहे हैं। इसलिए से संभल कर रहे। आपको बता दें कि नवनीत राणा अमरावती के मेडिकल स्टोर के मालिक उमेश कोल्हे की हत्या का मुद्दा भी खूब उठाया था।

जानकारी के मुताबिक इस पत्र में यह भी लिखा है कि कुछ लोग नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा के घर की रेकी की है। राजस्थान बॉर्डर से अमरावती आए थे। हालांकि इस चिट्ठी में किसी का नाम नहीं लिखा है। लेकिन नवनीत राणा को आगाह रहने की बात जरूर की है। फिलहाल नवनीत राणा इस बारे में पुलिस को सूचना दे दी है। पुलिस की ओर से कोई बयान तक नहीं आया है। लेकिन नवनीत राणा की सुरक्षा में बढ़ोतरी की जा सकती है। आपको बता दें कि नूपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने की वजह से कट्टरपंथियों ने उमेश कोल्हे की हत्या कर दी थी। नवनीत राणा ने इसके खिलाफ आवाज उठाई थी।

हाईकोर्ट के जज से कराई जानी चाहिए जहरीली शराब कांड जांचः कांग्रेस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

गुजरात में जहरीली शराब पीने से कुछ दिन पहले कई लोगों की मौत हो गई थी। कांग्रेस ने मांग की है कि इस घटना की जांच हाईकोर्ट के किसी जज से कराई जानी चाहिए। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा ने यह आरोप भी लगाया कि गुजरात में भाजपा सरकार के संरक्षण में नशे का कारोबार चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि तथाकथित शराबबंदी वाले गुजरात में जहरीली शराब पीने की वजह से 45 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है और 100 से ज्यादा लोग जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। उनके अनुसार यह जानकारी सामने आई है कि बोटाद जिले में 600 लीटर 'मिथाइल अल्कोहल% (मेथेनॉल) अहमदाबाद से लाया गया था। उसके बाद इसमें पानी मिलाकर जिले के विभिन्न इलाकों में बेच दिया गया जिसके सेवन से या तो लोगों की जान चली गई या उनके

गुर्दे खराब हो गए। पवन खेड़ा ने कहा एक ड्राई स्टेट में इतना सब कुछ हो जाए और स्थानीय पुलिस-प्रशासन को भनक तक नहीं लगी, यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके पीछे सत्ताधारी दल के नेता, पुलिस-प्रशासन और शराब माफियाओं की मिलीभगत रही होगी। यह सिर्फ आरोप नहीं है, बल्कि इसके पीछे ठोस आधार भी है। रोजीद गांव के सरपंच ने प्रशासन को लगातार पत्र लिखकर बताया कि गांव में सरेआम देसी शराब की बिक्री की जा रही है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने दावा किया जहरीली शराब से जिन लोगों की मौत हुई है उनके परिजनों ने साफ बताया है कि कोई शराबबंदी नहीं हुई है। गुजरात में अवैध शराब का करीब 15,000 करोड़ रुपए का सालाना कारोबार है। पीएम नरेंद्र मोदी के गांव वडनगर से लेकर हर ज़िले में शराब का ग़ैर क़ानूनी धंधा फल फूल रहा है। पवन खेड़ा ने कहा कि इतना बड़ा मामला हुआ, करीब 50 लोगों की जान गई, 100 से ज्यादा लोग जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन न गृहमंत्री और न मुख्यमंत्री सामने आए हैं और न प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिवारों से मुलाक़ात की, जबकि प्रधानमंत्री गुजरात में ही हैं। उन्होंने कहा जहरीली शराब कांड की उच्च न्यायालय के किसी वर्तमान न्यायाधीश से जांच कराई जानी चाहिए क्योंकि जिस पुलिस पर आरोप है यदि वही जांच करेगी तो जांच का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा जहरीली शराब पीने की वजह से जिन लोगों की मौत हुई है उनमें से अधिकतर गरीब थे और घर चलाने की उन पर जिम्मेदारी थी। ऐसे परिवारों को समुचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।

यूक्रेन और चीन से लौटने को मजबूर हुए मेडिकल छात्रों को बड़ी राहत देने जा रही है भारत सरकार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने उच्चतम न्यायालय को बताया है कि मेडिकल के अंतिम वर्ष के उन छात्रों को एफएमजी परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी, जो कोविड और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण भारत लौटे हैं और जिन्हें अधिसूचना तिथि पर डिग्री प्राप्त हुई है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने 23 जून को एक हलफनामे में कहा कि विदेशी चिकित्सा स्नातक (एफएमजी) परीक्षा उत्तीर्ण करने पर, ऐसे विदेशी चिकित्सा स्नातकों को मौजूदा एक साल के मानदंड के बजाय दो साल के लिए कंपलसरी रोटेटिंग मेडिकल इंटर्नशिप (सीआरएमआई) करनी होगी। विदेशी चिकित्सा स्नातक दो वर्ष तक सीआरएमआई पूरा करने के बाद ही पंजीकरण के पात्र होंगे। एनएमसी के हलफनामे में कहा गया है कि क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए इंटर्नशिप की अवधि को दोगुना कर दिया गया है ।

एनएमसी के रुख पर गौर करते हुए, शीर्ष अदालत ने 25 जुलाई के आदेश में कहा, %23 जुलाई के हलफनामे के साथ दायर अनुपालन रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लिया जाता है। वर्तमान में विभिन्न आवेदनों के सिलसिले में आगे कोई आदेश देने की अपील नहीं जा सकती। तदनुसार आवेदनों का निपटारा किया जाता है। यदि कोई लंबित आवेदन हो, तो उसका भी निपटारा किया जाता है।% उच्चतम न्यायालय ने 29 अप्रैल को नियामक संस्था को रूस-यूक्रेन युद्ध और महामारी से प्रभावित एमबीबीएस छात्रों को एक बार के उपाय के रूप में यहां के मेडिकल कॉलेजों में अपना क्लीनिकल प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति देने के लिए दो महीने में एक योजना तैयार करने का निर्देश दिया था।

एनएमसी ने हलफनामे में कहा कि 29 अप्रैल के फैसले के बाद, उसके स्नातक चिकित्सा शिक्षा बोर्ड (यूजीएमईबी) ने अपनी विभिन्न बैठकों में विदेशी चिकित्सा स्नातकों से संबंधित मामले पर चर्चा की और विचार-विमर्श किया। यूजीएमईबी के सदस्यों, स्वास्थ्य मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के बीच विचार-विमर्श के दौरान, यह बताया गया कि यूक्रेन के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में 20,672 भारतीय छात्र नामांकित हैं, जो ऑनलाइन

कक्षाएं ले रहे हैं। एनएमसी ने हलफनामे में कहा कि मेडिकल के अंतिम वर्ष के उन छात्रों को एफएमजी परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी, जो रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण भारत लौटे हैं और जिन्हें अधिसूचित होने की तिथि पर डिग्री प्राप्त हुई है। इनमें वे छात्र भी शामिल हैं, जो कोविड-19 के कारण चीन से लौटे हैं।

पंजाब के सीएम भगवंत मान करेंगे दूसरी शादी गुरुद्वारे में होगा समारोह

चंडीगढ़ । पंजाब के सीएम भगवंत मान गुरुवार अपने जीवन का दूसरा विवाह करने जा रहे हैं। चंडीगढ़ के सेक्टर 8 के गुरुद्वारे में सादे तरीके से विवाह की रस्में संपन्न की जाएंगी और खास मेहमान ही इसमें शामिल होंगे। बता दें कि मान की पहली शादी टूट चुकी है। इस शादी से उन्हें 2 बच्चे हैं। मान की पहली पत्नी और बच्चे अमेरिका में रहते हैं। मान का अपनी पहली पत्नी से 6 साल पहले तलाक हो चुका है। जब मान ने सीएम पद की शपथ ली थी, तब उनके दोनों बच्चे अमेरिका से शपथ ग्रहण समारोह में आए थे। मान की मां की ये इच्छा थी कि वह अपना घर बसाएं। मान के लिए नई दुल्हन खुद उनकी मां और बहन ने चुनी है। सीएम भगवंत मान की शादी डॉक्टर गुरप्रीत कौर से होगी। उनके घर में ही ये शादी समारोह आयोजित होगा। इसमें केवल परिवार वाले शामिल होंगे। इस शादी में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल भी शामिल होंगे।

हिमाचल के कुल्लू में बादल फटने से मची भीषण तबाही पार्वती नदी में आया सैलाब

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में बादल फटने से भीषण तबाही मची है और पार्वती नदी में सैलाब आ गया है। इस आपदा में 4 लोगों के बहने की खबर है। कुल्लू एसपी गुरदेव शर्मा ने बताया है कि भारी बारिश से कुल्लू जिले की मणिकरण घाटी में अचानक बाढ़ आई हैष चोज गांव में दर्जनों घर और कैंपिंग स्थल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बता दें कि हिमाचल प्रदेश में गुरुवार को मानसून ने भारी दस्तक दी है। जिसकी वजह से देर रात से सुबह तक भारी बारिश हुई है। कुल्लू के एडीएम प्रशांस सरकैक ने बताया कि मणिकरण घाटी में बादल फट गया है और बाढ़ आने से कैंपिंग साइट बही है। इस दौरान चोज गांव की ओर जाने वाले पुल को भी नुकसान पहुंचा है। गौरतलब है कि हिमाचल में मौसम विभाग ने बुधवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। पुलिस व प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंची हैं और राहत कार्य जारी है। इस भीषण आपदा के दौरान कसोल के पास की सड़क भारी मलबा दिख रहा है। वहीं मलाणा में डैम साइट नष्ट हुई है। हिमाचल में जनता को नदी-नालों के पास ना जाने के लिए कहा गया है। गुरुवार से 3 दिन के लिए यहां यलो अलर्ट जारी किया गया है। बता दें कि जब से मानसून शुरू हुआ है, तब से हिमाचल के लिए मुसीबतें खड़ी हो गई हैं। एक हफ्ते में हिमाचल में 40 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। इस दौरान रोड एक्सीडेंट भी हुए हैं। अब तक 1 करोड़ 32 लाख रूपए से ज्यादा की संपत्ति इस मानसून की भेंट चढ़ चुकी है। इस बात की जानकारी राजस्व विभाग से हुई है। जिन 4 लोगों के इस आपदा में लापता होने की जानकारी मिली है, उनके नाम रोहित (मंडी, सुंदरनगर), कपिल (पुष्कर, राजस्थान), रोहित चौधरी (धर्मशाला) और अर्जुन (बंजार, कुल्लू) है। इस भीषण तबाही में 6 ढाबों, तीन कैंपिंग साइड, एक गौशाला और 4 गायों के बहने की खबर मिली है।

छत्तीसगढ़ और उप्र पुलिस के बीच खींचतान पर मायावती ने जताई चिंता, कहा- भड़काऊ भाषण, फेक न्यूज गंभीर मुद्दे

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान को ''गलत संदर्भ'' में दिखाते हुए एक समाचार प्रसारित करने के मामले में टेलीविजन समाचार प्रस्तोता की गिरफ्तारी को लेकर छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश पुलिस के बीच हुई खींचतान पर चिंता जाहिर की है। मायावती ने बुधवार को सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि फर्जी खबर, नफरत फैलाने वाले भाषण, भड़काऊ भाषण आदि को लेकर देश भर में पुलिस कार्रवाई चल रही है और इसी क्रम में उत्तर प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ पुलिस के बीच एक टीवी पत्रकार की गिरफ्तारी को लेकर हुआ टकराव मीडिया की सुर्खियों में है और यह चिंता की बात है। उन्होंने दूसरे ट्वीट में कहा कि इस प्रकार के घटनाक्रमों से कानून का राज नष्ट होता है और आमजन प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि सभी सरकारों को तटस्थ व गंभीर होकर कार्य करना चाहिए तभी लोगों को तनाव व ऐसे वातावरण से मुक्ति मिल पाएगी।गौरतलब है कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की एक वीडियो क्लिप को गलत तरीके से प्रसारित करने के आरोप में छत्तीसगढ़ की पुलिस टीम एक समाचार चैनल के एंकर रोहित रंजन को गिरफ्तार करने के लिए मंगलवार को गाजियाबाद पहुंची थी। इसी दौरान वहां नोएडा पुलिस भी पहुंच गई और उन्हें अपने यहां दर्ज एक मामले में गिरफ्तार कर ले गई। उसके बाद रात में रंजन को जमानत पर रिहा कर दिया गया।

असम सरकार का बड़ा कदम, इन मुस्लिम समुदायों को दिया 'स्वदेशी' का दर्जा

नई दिल्ली । असम की हिमंत बिस्वा सरमा सरकार ने एक बड़ा निर्णय लेते हुए राज्य के पांच असमिया भाषी मुस्लिम समुदायों को 'स्वदेशी' का दर्जा देने का फैसला किया है। इस कदम के बाद इन समुदायों की पहचान बंगाली भाषी मुसलमानों से अलग होगी। असम की कैबिनेट ने जिन पांच समुदायों को स्वदेशी का दर्जा देने का फैसला किया है उनमें वे गोरिया, मोरिया, देसी, जुला और सैयद शामिल हैं। दरअसल, इन पांच मुस्लिम समुदायों के लोगों को स्वदेशी असमिया मुसलमानों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब हाल ही में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने घोषणा की थी कि राज्य सरकार मुस्लिम समुदायों सहित राज्य में स्वदेशी अल्पसंख्यकों के अलग वर्गीकरण के लिए कदम उठाएगी। असम कैबिनेट के इस निर्णय से राज्य के लगभग 40 लाख असमिया भाषी मुसलमानों को मान्यता मिल जाएगी।×ड्ड्ढह्यश्च; कैबिनेट के इस निर्णय के बारे में बताते हुए कैबिनेट मंत्री केशब महंत ने कहा कि कैबिनेट ने इन पांच मुस्लिम समूहों के लिए एक नए नामकरण को मंजूरी दी है। वे अब से स्वदेशी असमिया मुसलमानों के रूप में जाने जाएंगे। उन्होंने इस कदम से स्वास्थ्य, सांस्कृतिक पहचान, शिक्षा, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और महिला सशक्तिकरण में उनका विकास सुनिश्चित होगा। साथ ही अन्य सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उन तक पहुंच सकेगा। मालूम हो कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पहले ही कहा था कि असम राज्य की आबादी में 35 फीसदी मुसलमान हैं और उन्हें अब इस पूर्वोत्तर राज्य में अल्पसंख्यक नहीं माना जा सकता। हाल ही में उन्होंने 1990 में कश्मीरी हिंदुओं के पलायन का जिक्र करते हुए कहा कि अन्य समुदायों के डर को दूर करना राज्य में मुसलमानों का कर्तव्य है। बता दें कि असम और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में घुसपैठ एक बड़ा मुद्दा रहा है। इसके खिलाफ वहां पर कई बड़े आंदोलन भी हो चुके हैं। इन घुसपैठियों का सबसे ज्यादा असर असम में पड़ा है। बताया जाता है कि वहां पर इन घुसपैठियों की तादाद बढ़कर कुल आबादी का करीब 25-30 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। हालांकि इन घुसपैठियों का कहना है कि वे भारत के ही हैं।

यूपी के राज्य कर्मचारियों में हाहाकार योगी सरकार ऐसे लोगों को करने जा रही जबरन रिटायर

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के राज्य कर्मचारियों में हाहाकार मचा हुआ है। यूपी की योगी सरकार सरकारी विभागों में कार्यरत 50 साल से अधिक उम्र वालों को जबरन रिटायर करने जा रही है। ऐसे कर्मचारी जो भ्रष्टाचार, गंभीर बीमारी, काम न करने वाले और जांच में फंसे हैं उनके अनिवार्य रिटायरमेंट पर 31 जुलाई तक फैसला करना अनिवार्य कर दिया गया है। इसकी जानकारी 15 अगस्त तक कार्मिक विभाग को देनी होगी। आपको बता दें कि यूपी में कर्मचारी 60 साल की उम्र पूरी होने पर रिटायर किए जाते हैं। पहले कुछ विभागों में 58 साल भी था। मंगलवार को मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने विभागाध्यक्षों को एक आदेश जारी किया जिसके बाद राज्य कर्मचारी में हाहाकार मचा गया है। दरअसल, इस आदेश में कहा गया है कि स्क्रीनिंग कमेटी 31 मार्च 2022 को 50 साल की आयु पूरी करने वालों के नामों पर विचार करेगी। यह आयु पूरी करने वाले किसी सरकारी सेवक के मामले में स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष प्रस्ताव रखकर यदि उसे सेवा में बनाए रखने का फैसला एक बार कर लिया जाता है, तो बार-बार स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष उसके नाम को पुन- रखने की जरूरत नहीं है। ऐसे कर्मचारी को सेवानिवृत्त की अवधि तक सेवा में बनाए रखा जाएगा। यूपी में डीजीपी मुख्यालय ने 11 जनवरी व दो फरवरी 2022 को भी इस संबंध में आदेश जारी किया था। इस संबंध में कार्रवाई डीजी/एडीजी सतर्कता, एसआईटी, भ्रष्टाचार निवारण संगठन, पीएसएल एवं सहकारिता, सभी जोनल एडीजी, चारों पुलिस आयुक्त, आईजी-डीआईजी जेल एवं अपर पुलिस अधीक्षक केंद्रीय वस्त्र भंडार कानपुर व सीआर सीतापुर के स्तर से होनी है। यूपी ही नहीं दिल्ली सरकार में निष्क्रिय सरकारी कर्मचारी समय से पहले जबरन सेवानिवृत्त किए जाएंगे। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे अधिकारियों पर कार्रवाई के बाद उपराज्यपाल ने अब यह निर्देश दिया है। दिल्ली सरकार के ऐसे कर्मचारियों और अधिकारियों के कामकाज की समय-समय पर समीक्षा रिपोर्ट देने के लिए एक पांच सदस्यीय समिति का गठन भी किया गया है।

हिंदुत्व, मुंबई धमाकों जैसे मुद्दे पर निर्णय लेने से पीछे हटती रही एमवीए सरकार, इसलिए हमने अलग पकड़ी राह : शिंदे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना और महाविकास अघाडी सरकार पर हमले तेज कर दिए हैं। एकनाथ शिंदे ने कहा 50 विधायकों का सत्तारूढ़ गठबंधन छोड़ने के लिए किसी भी शख्स के पास 'बड़ा कारण' होना चाहिए। पिछली एमवीए सरकार, जिसमें कांग्रेस और शिवसेना घटक थे, हिंदुत्व, वीर सावरकर या मुंबई धमाकों पर और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के मुद्दे पर कोई बड़ा निर्णय लेने से चूकती रही। शिंदे ने अब उन्होंने हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। यही वजह है कि उन्होंने भाजपा के साथ मिलकर राज्य में सरकार बनाने का निर्णय लिया है।

सीएम शिंदे ने कहा शिवसेना-भाजपा ने एक साथ चुनाव लड़ा था और सरकार बन गई कांग्रेस-एनसीपी के साथ। इसके कारण जब भी हिन्दुत्व के मुद्दे आए, दाऊद का मुद्दा आया, मुंबई बम ब्लास्ट का मुद्दा और भी कई मुद्दे जब आते थे, हम कोई भी निर्णय नहीं ले पा रहे थे। शिंदे ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक का जिक्र करते हुए कह रहे थे, जिन्हें इस साल फरवरी में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसकी गतिविधियों से जुड़ी मनी-लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया था।

दाऊद इब्राहिम 1993 में मुंबई में हुए बम धमाकों का मुख्य आरोपी है, जिसमें 257 लोग मारे गए थे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मई में मलिक के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। शिंदे ने बताया उन्होंने कई बार चर्चा की कि महाविकास अघाडी में जो हम बैठे हैं इससे हमें फायदा नहीं, नुकसान है। हमारे विधायक चिंतित हैं कि कल चुनाव कैसे लड़ें। नगर पंचायत चुनाव में हम 4 नंबर पर गए। मतलब सरकार का फायदा शिवसेना को नहीं हो रहा। ऐसे में हमें कोई बड़ा निर्णय लेने की जरूरत थी। जब हम चुनाव में जीतते हैं, तो हमारे चुनाव क्षेत्र के मतदाताओं की विकास को लेकर अपेक्षा होती है। लेकिन हमारे विधायक काम नहीं कर पा रहे थे, फंड की कमी थी।

हमने इस बारे में हमारे वरिष्ठ से बात की परन्तु हमें कामयाबी नहीं मिली। इसलिए हमारे 40-50 विधायकों ने यह निर्णय लिया। फिर हम कोई गैरकानूनी काम नहीं कर रहे। लोकशाही में कानून है, नियम हैं। उसी के मुताबिक ही काम करना पड़ता है। हमारे पास बहुमत है। सुप्रीम कोर्ट में भी हमारे खिलाफ जो लोग गए थे, उन्हें भी कोर्ट ने डांट लगाई है। शिंदे ने देवेंद्र फडनवीस को बड़े दिलवाला बताया, जिन्होंने उपमुख्यमंत्री पद संभाला है। जब पार्टी का आदेश आता है, तो पार्टी का आदेश मानते हैं। मैं पीएम नरेंद्र मोदी का, केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा अध्यक्ष को धन्यवाद करता हूं। बता दें कि किसी ने भी इस बात की कल्पना नहीं की थी कि शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा।

उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की बैठक 9 जुलाई को, जयपुर में गृहमंत्री अमित शाह करेंगे अध्यक्षता

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आगामी नौ जुलाई को जयपुर में होने वाली उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें सुरक्षा, सड़क, परिवहन, उद्योग, पानी, बिजली और आम हितों के अन्य मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उत्तरी क्षेत्रीय परिषद में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ शामिल हैं। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि बैठक में इन सदस्य राज्यों के मुख्यमंत्री, मंत्री, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, वरिष्ठ अधिकारी और केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। अधिकारी ने बताया कि इस बैठक में सुरक्षा, सड़क, परिवहन, उद्योग, जल, बिजली, आर्थिक और सामाजिक नियोजन के क्षेत्रों के साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। हमेशा की तरह क्षेत्रीय परिषद की बैठक से पहले परिषद की एक स्थायी समिति की बैठक की जाएगी, जिसमें परिषद के समक्ष रखी जाने वाली कार्यसूची के एजेंडा की जांच और प्राथमिकता तय की जाएगी।

उत्तर प्रदेश में इस वर्ष 35 करोड़ पौधे रोपे जाएंगे: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि इस वर्ष राज्य में 35 करोड़ पौधे रोपे जाएंगे और इनमें से 25 करोड़ पौधरोपण आज हो रहा है। योगीने मंगलवार को चित्रकूट जिले के मानिकपुर विकासखंड के मड़ैयन ग्राम पंचायत के मजरा से हरिन के पास वन महोत्वस के अंतर्गत पौध रोपण जन आंदोलन-2022 अभियान की शुरुआत की और इस मौके पर पीपल, बरगद, पाकड़ (हरिशंकरी) के पौधे रोपित किये। राज्य सरकार के मंत्रियों ने अलग-अलग जिलों में पौध रोपण कर अभियान को आगे बढ़ाया।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को मंगलवार को अयोध्या में पौधारोपण अभियान में शामिल होना था लेकिन हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ जाने की वजह से उनका दौरा रद्द कर दिया गया। राज्य के दूसरे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक प्रयागराज, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंहगोरखपुर तथा वित्त मंत्री सुरेश खन्ना मेरठ में इस अभियान में शामिल हुए। मंगलवार को यहां जारी एक सरकारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने चित्रकूट में समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार चित्रकूट सहित संपूर्ण बुंदेलखंड क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और आज यहां 32 करोड़ 86 लाख रुपये से अधिक लागत की 15 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 82 करोड़ 54 लाख रुपये से अधिक लागत की 28 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया योगी ने कहा कि प्रदेश में इस वर्ष 35 करोड़ पौधों को रोपा जाएगा, जिनमें से 25 करोड़ पौधों का रोपण आज संपन्न किया जा रहा है। उनके अनुसार इस कार्य में समस्त जनप्रतिनिधियों और शासन प्रशासन के अधिकारियों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी दो दिनों में पांच करोड़ पौधों को रोपा जाएगा, साथ ही, आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर 15 अगस्त, 2022 को पांच करोड़ पौधे रोपित किए जाएंगे तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत में 75-75 पौधों के रोपण का कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा।

भारत ने यूक्रेन संकट पर बिल्कुल रूख अपनाया : जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत ने यूक्रेन संकट पर बिल्कुल सही रूख अपनाया है। उन्होंने कहा कि यह बेहद पेचीदा मसला है, जहां सबसे तात्कालिक मुद्दा युद्ध को बढ़ने से रोकना है। यूक्रेन युद्ध में भारत की रणनीति की तुलना महाभारत में भगवान कृष्ण की रणनीति से करते हुए उन्होंने कहा कि कृष्ण ने युद्ध को रोकने के लिए जो भी उनके बस में था, वह सबकुछ किया। देखा जाए तो नई दिल्ली ने भी यही किया।

एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक और सामरिक हित दांव पर हैं और रूस-यूक्रेन युद्ध से उत्पन्न ईंधन और खाद्यान्न की कमी के मद्देनजर भारत को अपने लोगों के हितों की रक्षा करनी है। जयशंकर ने कहा भारत दक्षिण एशिया पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा है और पड़ोसी देश इस क्षेत्र के एकीकरण में नेतृत्व करने के लिए भारत की ओर देख रहे हैं। मंत्री दिल्ली विश्वविद्यालय में मोदी एट20~ ड्रीम्स मीट डिलीवरी पुस्तक पर एक चर्चा में बोल रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने श्रीलंका को उसके आर्थिक संकट में मदद की है।

भाजपा के दो पूर्व प्रवक्ताओं द्वारा पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी से उठे विवाद पर जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत की छवि बदलने और खाड़ी देशों के साथ जुड़ाव और संबंधों पर बहुत ध्यान दिया है और कई देशों ने भारत के तर्क को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कई देशों ने इस टिप्पणी का मसला उठाया और कई देशों ने राजदूतों को बुलाकर यह मुद्दा उठाया। जयशंकर ने कहा हमने कहा है कि जो कहा गया है वह पार्टी के विचारों को नहीं दर्शाता है और राजदूतों ने भी यही रेखांकित किया और 'मेरे ख्याल से उन्होंने इस स्वीकार किया है।

सीएम केजरीवाल ने किया दिल्ली शॉपिंग फेस्टिवल' का ऐलान, जानिए कब होगा इसका आयोजन

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को बताया कि शहर में अगले साल 28 जनवरी से 26 फरवरी के बीच 'दिल्ली शॉपिंग फेस्टिवल' का आयोजन किया जाएगा और यह देश का ऐसा सबसे बड़ा महोत्सव होगा। उन्होंने बताया कि इसमें देश के साथ-साथ विदेशों से भी लोग शिरकत करेंगे और दिल्ली, उसकी संस्कृति, भोजन के बारे में जानने के साथ ही खरीदारी का लुत्फ उठाएंगे। इस आयोजन से रोजगार के हजारों अवसर पैदा होंगे। केजरीवाल ने कहा कि उनकी सरकार इस दौरान दिल्ली आने वाले लोगों को विशेष 'पैकेज' उपलब्ध कराने के लिए कई होटलों और विमानन कंपनियों से बात कर रही है। मुख्यमंत्री ने एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' यह भारत का सबसे बड़ा 'शॉपिंग फेस्टिवल' होगा और आने वाले कुछ वर्षों में हम इसे दुनिया का सबसे बड़ा 'शॉपिंग फेस्टिवल' बनाएंगे। इस दौरान दिल्ली को दुल्हन की तरह सजाया जाएगा और चीजों पर भारी छूट भी दी जाएगी।'' उन्होंने कहा कि इसमें आध्यात्मिकता, स्वास्थ्य, 'गेमिंग' और मनोरंजन से जुड़ी कई प्रदर्शनियां भी होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा, '' इसके लिए विशेष उद्घाटन तथा समापन समारोह होगा और आगंतुकों के मनोरंजन के लिए 200 संगीत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मां काली पर बयान के बाद महुआ मोइत्रा ने बनाई टीएमसी से दूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देवी काली पर दिए बयान पर जारी विवाद के बीच तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने ट्विटर पर पार्टी से दूरी बना ली है। खबर है कि उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर टीएमसी को अनफॉलो कर दिया है। हाल ही में टीएमसी ने मोइत्रा की तरफ से देवी काली को लेकर दिए गए बयान से पल्ला झाड़ लिया था। खास बात है कि एक फिल्म के पोस्टर को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया था, जिसमें देवी के पोशाक में महिला को शराब का सेवन और धूम्रपान करते दिखाया गया था। हमेशा मुखर होकर बात कहने वाली मोइत्रा ने ट्विटर पर टीएमसी को अनफॉलो किया है। हालांकि, इसे लेकर पार्टी और सांसद दोनों ने ही आधिकारिक रूप से कुछ भी नहीं कहा है। देवी के बयान को लेकर टीएमसी ने मोइत्रा को फटकार लगाई थी और कहा था कि उन्होंने मां काली का अपमान किया है। इस संबंध में टीएमसी की तरफ से आधिकारिक बयान भी जारी किया गया था। पार्टी ने कहा था कि उनका निजी बयान था और पार्टी किसी तरह से इसका समर्थन नहीं करती है। उन्होंने कहा था, 'हिंदूवाद के तहत काली की उपासक होने के नाते मुझे मेरी काली की कल्पना उस तरह से करने की आजादी है... यह मेरी आजादी है मैं नहीं सोचती कि किसी की भावनाओं को आहत होना चाहिए।' हालांकि, टीएमसी सांसद ने मंगलवार को यह भी साफ किया कि उन्होंने किसी पोस्टर का समर्थन नहीं किया है।

डेंगू और चिकनगुनिया का होगा खत्मा, आईसीएमआर-वीसीआरसी के वैज्ञानिकों ने तैयार किया खास मच्छर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

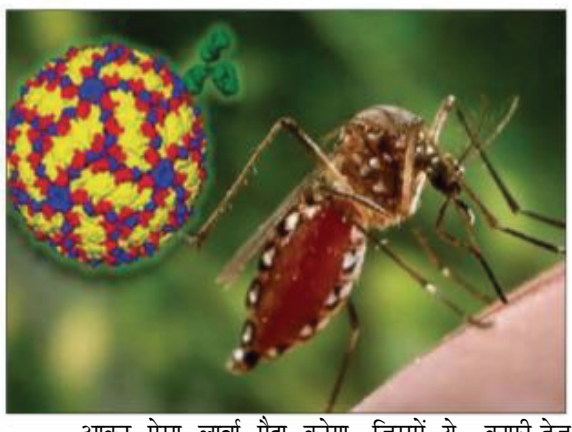

बरसात का मौसम आते ही डेंगू का डर सताने लगता है। लेकिन जल्द ही खतरनाक डेंगू और चिकनगुनिया से लोगों को राहत मिल सकती है। दरअसल वैज्ञानिकों ने एक ऐसा 'खास मच्छर' तैयार किया है, जो डेंगू फैलाने वाले मच्छरों का सफाया कर देगा। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने इसतरह के खास मादा मच्छरों को तैयार किया है। इससे पैदा होने वाले लार्वा में इनके वायरस नहीं होगा।

आईसीएमआर-वीसीआरसी के डायरेक्टर डॉक्टर अश्विनी कुमार ने बताया कि वैज्ञानिकों ने एक खास तरह के मच्छर तैयार किया हैं, जो डेंगू और चिकनगुनिया को धीरे-धीरे खत्म कर देगा। उन्होंने कहा, हम इसतरह के मादा मच्छरों को छोड़ने वाले हैं, जो नर मच्छरों के संपर्क में आकर ऐसा लार्वा पैदा करेगा, जिसमें ये वायरस नहीं होगा। हमारे द्वारा मच्छर और अंडे तैयार किए हैं, उन्हें कभी भी छोड़ सकते है। आईसीएमआर-वीसीआरसी के शोधकर्ताओं ने एडीज एप्टिज की दो प्रजातियों को विकसित किया है। ये दोनों प्रजातियां ही डेंगू को खत्म करेगी।

बता दें कि इस साल भारत सरकार ने डेंगू से निपटने के लिए बायोटेक्नोलॉजी विभाग के टीएचएसटीआई ने डीएनडीआई के साथ समझौता किया है। समझौते के तहत अगले पांच साल के अंदर डेंगू की प्रभावशाली दवा को विकसित किया जाएगा। फिलहाल डेंगू से लड़ने के लिए कोई दवा नहीं है।

भारत में बरसात के मौसम में ये बीमारी तेजी से फैलती है। इसमें बुखार, बेचैनी, उल्टी और शरीर में काफी तेज दर्द होने लगता है। मरीजों में ब्लड प्लेटलेट्स तेजी से कम होने लगते हैं। कई बार मरीज में आंतरिक ब्लीडिंग शुरू हो जाता है, इससे कई अंग काम करने बंद कर देते हैं। आखिर में मरीज की मौत भी हो जाती है। उत्तर भारत में डेंगू के केस काफी ज्यादा आते हैं।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी पर वरुण गांधी का तंज, गरीब की रसोई फिर धुएँ से भरने लगी है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आज घरेलू गैस की कीमतों में लगभग 50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। घरेलू गैस की कीमतों में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की वृद्धि के साथ एक बार फिर से आम लोगों पर महंगाई की जबरदस्त मार पड़ी है। लोगों का रसोई बजट बिगड़ने लगा है। सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ साथ किचन की अन्य सामग्रियों पर भी महंगाई की जबरदस्त मार है और यही कारण है कि आम लोग महंगाई से त्रस्त नजर आ रहे हैं। दिल्ली में अब 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1053 रुपये हो गई है। अब इसी को लेकर केंद्र सरकार पर भाजपा सांसद वरुण गांधी ने जबरदस्त तरीके से तंज कसा है। हालांकि यह पहला मौका नहीं है, जब वरुण गांधी अपनी ही सरकार के खिलाफ ट्वीट कर रहे हैं। इससे पहले भी ऐसे कई मौके आज चुके हैं।

वरुण गांधी ने ट्वीट कर लिखा कि घरेलू सिलेंडर अब 1050 रु में मिलेगा! जब देश में बेरोजगारी चरम पर है तब भारतवासी पूरी दुनिया में सबसे महँगी रसोई खरीद रहे हैं। कनेक्शन कॉस्ट 1450 रु से बढ़ाकर 2200 रु, सिक्योरिटी 2900 से बढ़ाकर 4400, यहाँ तक की रेगुलेटर तक 100 रु महँगा है। गरीब की रसोई फिर धुएँ से भरने लगी है। आपको बता दें कि देश के अधिकांश शहरों में अब सरकार की तरफ से गैस सिलेंडर पर सब्सिडी नहीं दी जा रही है। लिहाजा अब लोगों को बिना सब्सिडी वाला सिलेंडर ही खरीदना पड़ रहा है। सरकार सिर्फ उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन पाने वाले लाभार्थियों को ही एलपीजी सब्सिडी दे रही है। एलपीजी के दाम मई, 2022 से अबतक तीसरी बार और इस साल चौथी बार बढ़ाए गए हैं। सात मई को प्रति सिलेंडर 50 रुपये की वृद्धि की गयी थी। इससे पहले 22 मार्च को भी प्रति सिलेंडर कीमतों में इतनी ही वृद्धि की गयी थी। 19 मई को रसोई गैस सिलेंडर के दाम 3.50 रुपये बढ़ाए गए थे। जून, 2021 से अबतक रसोई गैस सिलेंडर के दाम 244 रुपये तक बढ़ चुके हैं। इसमें से 153.50 रुपये की बढ़ोतरी मार्च, 2022 से की गई है।

हालांकि, पेट्रोल और डीजल के दाम में पिछले तीन महीने से बदलाव नहीं हुआ है। इससे पहले, 22 मार्च से शुरू करते हुए 16 दिन के भीतर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल दस रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। इस बढ़ोतरी के बाद मुंबई में एलपीजी का 14.2 किलोग्राम वाला सिलेंडर 1,052.50 रुपये का हो गया है। वहीं चेन्नई में इसकी कीमत 1,079 रुपये और कोलकाता में 1,068.50 रुपये प्रति सिलेंडर हो गई है। पेट्रोलियम कंपनियों ने होटल एवं रेस्तरांओं द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम घटाए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यि गैस सिलेंडर का दाम 2,021 रुपये से घटाकर 2,012.50 रुपये कर दिया गया है।

पाकिस्तान: लुटेरा होने के संदेह में युवक की भीड़ ने पीट-पीटकर कर दी हत्या, पुलिस जांच में पाया गया बेकसूर

कराची। पाकिस्तान के जिस व्यक्ति की पिछले सप्ताह कराची में लुटेरा होने के संदेह में भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी, वह बेकसूर था और निजी विवाद के चलते उसके पड़ोसियों ने उसे जानबूझ कर फंसाया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। घटना के चलते मृतक के परिजनों और कस्बा कॉलोनी में उसके आस-पड़ोस के लोगों ने उसकी अंत्येष्टि के दौरान हिंसक विरोध प्रदर्शन किया था, जिसमें दो लोग मारे गए थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मारूफ उस्मान ने कहा कि एक समिति द्वारा जांच के बाद यह पाया गया कि भीड़ द्वारा पीट-पीट कर मार डाला गया व्यक्ति लुटेरा नहीं था और स्नूकर क्लब में विवाद होने के बाद उसके तीन पड़ोसियों ने उसे फंसाया था। उन्होंने कहा, 'वह निर्दोष था और व्यक्तिगत विवाद के कारण उसे जानबूझकर उसके पड़ोसियों द्वारा लूटपाट के लिए फंसाया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि लूट की कोई घटना नहीं हुई थी।' पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर में संदिग्ध लुटेरों और अपराधियों को पीट-पीट कर मार डालने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, क्योंकि सड़क पर होने वाले अपराधों और लूटपाट से तंग आ चुके लोग कानून अपने हाथ में लेने को प्राथमिकता दे रहे हैं। मारूफ ने बताया कि इस घटना में उस व्यक्ति का अपने पड़ोस के एक स्नूकर क्लब में अपने तीन पड़ोसियों के साथ विवाद हो गया था। उन्होंने बताया, 'उनके बीच हाथापाई होने के बाद, संदिग्ध व्यक्ति भागने लगे और शोर मचाना शुरू कर दिया कि लुटेरे उनका पीछा कर रहे हैं। इसके बाद, भीड़ जमा हो गई और पीछा करने वाले व्यक्तियों की पिटाई की, जिनमें से एक की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। जबकि उसका एक दोस्त बुरी तरह घायल हो गया और एक अन्य को पुलिस ने बचा लिया। मारूफ ने कहा, 'पुलिस द्वारा की गयी पूरी जांच में यह पता चला कि वह व्यक्ति (मृतक) निर्दोष था।' मारूफ ने कहा कि उन्होंने इलाके के बुजुर्गों की मदद से सच्चाई का पता लगाया। उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की दुखद घटनाएं समाज में असहिष्णुता और भीड़ की मानसिकता के स्तर को दर्शाती हैं।

अब चांद पर कब्जा करना चाहता है चीन, नासा ने किया चौंकाने वाला दावा, मिशन स्पेस को बताया मिलिट्री प्रोग्राम

बीजिंग। अंतरिक्ष क्षेत्र बेहद ही महत्वपूर्ण और विशाल आयाम आने वाले वॉर वेयर के अंदर होने वाला है। इस वजह से विश्व के सुपर पावर मुल्क अपने-अपने तरीके से यहां अपना आधिपत्य जमाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी कड़ी में नासा ने चीन के स्पेस मिशन को एक मिलिट्री प्रोग्राम बताया है। चीन चांद के ऊपर पूरा कंट्रोल चाहता है। नासा की तरफ से दावा किया गया है कि चीन स्पेस में दूसरे देशों के सैटेलाइट को नष्ट करना चाहता है। जर्मन अखबार बिल्ड में नासा के एडमिस्ट्रेटर बिल निल्सन ने ये खुलासा किया है। बिल निल्सन की तरफ से किए दावे पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार चीन अपने स्पेस स्टेशन में दूसरे देशों के सैटेलाइट को उड़ाए जाने को लेकर रिसर्च कर रहा है। चांद के साउथ पोल पर पानी के भंडार से वहां रॉकेट फ्यूल बनाया जा सकता है। इसी पर पूरी दुनिया की नजर है। अमेरिका चीन को दुनिया का सबसे बड़ा साइबर खतरा मानता रहा है। अब स्पेस में भी अमेरिका चीन को सबसे बड़ी मिलिट्री खतरा मान रहा है। आपको याद होगा कि कुछ दिनों पहले ये खबर आई थी कि चांद के ऊपर दो जगह रॉकेट के गढ्ढे बने थे। उसे खारिज कर दिया गया कि ये रॉकेट हमला नहीं है और इस पर जांच भी नहीं हुई। चीन जिस तरह से मिसाइल सिस्टम बना रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि यह पहली बार नहीं है, जब यूएस नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख ने तथ्यों की अनदेखी की है और चीन के बारे में गैर-जिम्मेदाराना बात की है। उन्होंने कहा, 'अमेरिकी पक्ष ने चीन के सामान्य और उचित बाहरी अंतरिक्ष प्रयासों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया है और चीन इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियों का कड़ा विरोध करता है।

फिल्म काली पर विवाद के बाद आयोजकों ने जताया खेद, कनाडा में अब नहीं होगी फिल्म की स्क्रीनिंग

टोरंटो । फिल्म काली पर विवाद के बाद अब आयोजकों ने हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत होने पर खेद जताया है। फिल्ममेकर लीना मणिमेकलई की डॉक्यूमेंट्री फिल्म काली के पोस्टर और वीडियो पर हुए बवाल के बाद आयोजकों ने यह तय किया है कि अब फिल्म की स्क्रीनिंग नहीं की जाएगी। टोरंटो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी ने एक बयान में कहा कि इस फिल्म ने संवेदनशीलता पैदा की है और इस समय पर इसे फिर से दिखाने की कोई योजना नहीं है। आगा खां म्यूजियम में 'अंडर द टेंट' प्रोजेक्ट के तहत फिल्म काली दिखाई जानी थी, जिसका आयोजन टोरंटो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी ने किया जाना था। हिंदू देवी-देवताओं की बेअदबी के इस मामले को लेकर पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर देश-विदेश में गुस्सा है। इस पूरे मामले पर भारत के उच्चायोग ने भी आयोजकों से चिंता ज़ाहिर की थी। ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने कनाडाई अधिकारियों से अपील की थी कि आपत्तिजनक सामग्री को वापस लिया जाए। आगा खां म्यूजियम ने एक बयान जारी कर कहा इस संग्रहालय को इस बात का गहरा खेद है कि 'अंडर द टेंट' के 18 लघु वीडियो में से एक और इसके साथ सोशल मीडिया पोस्ट में अनजाने में हिंदुओं और अन्य धार्मिक समुदायों के सदस्यों को आहत किया है। वहीं टोरंटो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी ने बयान जारी कर कहा हमें खेद है कि 2 जुलाई को हमारे 'अंडर द टेंट' प्रेजेंटेशन में कुछ सामग्री से लोगों की भावनाएं आहत हुई। हम इस मामले में कार्रवाई कर रहे हैं। यूनिवर्सिटी ने कहा कि हम समानता, विविधता और समावेश के लिए प्रतिबद्ध हैं, जबकि साथ ही हमारे समाज में विश्वासों और दृष्टिकोण की विविधता का सम्मान करते हैं। इसी बीच एक अन्य मामले में टोरंटो शहर ने सिख संगठन वर्ल्ड सिख ऑर्गेनाइजेशन से माफी मांगी है। कोविड के चलते टोरंटो शहर में क्लीन शेव पॉलिसी लागू की गई थी, जिसका पालन न करने के चलते करीब 100 सिख सुरक्षा गाडर्स की नौकरी चली गई थी। यह पॉलिसी एन95 मास्क के सही फिटिंग के लिए लाई गई थी। इस मामले पर हरकत में आकर टोरंटो शहर ने बयान जारी करते हुए कॉन्ट्रेक्टरों से कहा है कि वह सभी सुरक्षा गार्ड को तुरंत वापस नौकरी पर रखें।

गैस की आपूर्ति पूरी तरह बंद होने के लिए तैयार रहना चाहिए : ईयू

ब्रसेल्स । यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन ने कहा कि 27 देशों वाले यूरोपीय संघ को यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग के कारण रूस से मिलने वाली गैस की आपूर्ति पूरी तरह बंद होने के लिए तैयार रहना चाहिए। ईयू ने पहले से ही रूस पर, ऊर्जा आपूर्ति सहित कई प्रतिबंध लगाए हैं और वह क्रेमलिन नियंत्रित वस्तुओं की आपूर्ति से खुद को दूर कर रहा है, लेकिन लेयन ने कहा कि संगठन के सदस्य देशों को मास्को से झटके के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने फ्रांस के स्ट्रासबर्ग में ईयू विधायिका में कहा, हमें गैस की आपूर्ति रुकने की तैयारी अभी करनी चाहिए। रूस से प्राप्त होने वाली गैस की आपूर्ति पूरी तरह बंद हो सकती है।

उज्बेकिस्तान में हिंसक प्रदर्शनों में अब तक 18 से अधिक लोगों की जान गई, सैकड़ों घायल हुए

ताशकंद । मध्य एशियाई देश उजबेकिस्तान के स्वायत्त प्रांत काराकालपाकस्तान में पिछले हफ्ते भड़के प्रदर्शनों ने हिंसात्मक स्वरूप ग्रहण कर लिया है। इन प्रदर्शनों में अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है। इस दौरान सुरक्षाबलों ने 516 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। हालांकि बाद में इन सभी लोगों को रिहा कर दिया गया। नेशनल गार्ड ने बताया कि हिंसात्मक प्रदर्शनों को रोकने की कोशिशें की जा रही हैं। दो निर्वासित राजनेता इन प्रदर्शनकारियों के संपर्क में हैं और उनका मानना है कि मारे गए लोगों की संख्या कहीं ज्यादा है। सही आंकड़ें का पता लगा पाना असंभव है। राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने संविधान के उस आर्टिकल में संशोधन करने की योजना को शनिवार को रद्द कर दिया था जो काराकालपाकस्तान की स्वयत्ता और इसके अलग होने के अधिकार से जुड़ा था। उन्होंने इसके साथ ही इस उत्तर पश्चिमी इलाके में एक महीने के लिए आपातकाल की घोषणा कर दी थी। आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक प्रदर्शनकारियों ने प्रांत की राजधानी नुकुस से पिछले शुक्रवार को एक मार्च निकाला। उन्होंने इसके साथ ही स्थानीय सरकार की कई इमारतों को भी जब्त करने की कोशिशें की थीं। प्रॉसिक्यूटर जनरल के ऑफिस की तरफ से बताया गया है कि गंभीर चोट आने की वजह से 18 लोगों की मौत हो गई है। नेशनल गार्ड के मुखिया ने कहा कि मारे गए लोगों में 14 नागरिक और 4 कानूनी एजेंसियों के अधिकारी हैं। काराकालपाकस्तान, अरल सागर के किनारों पर स्थित है। कई दशकों ये इसे पर्यावरण के लिए तबाही की जगह माना गया है। यह जगह काराकलपाक्स विशिष्ट समुदाय का घर है। इस समुदाय की भाषा उजबेकिस्तान के बाकी लोगों से बहुत अलग है।

सिडनी मे आयी बाढ़ के बाद जोम्स टेलर व जोसुआ मेयर्स नाव के सहारे इलाके को पार करते हुए।

ब्लिंकन जी-20 के सम्मेलन में चीन के विदेश मंत्री से मिलेंगे

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इस हफ्ते इंडोनेशिया में होने जा रही जी 20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में अपने चीन के समकक्ष वांग यी के साथ वार्ता करेंगे। विदेश विभाग ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि ब्लिंकन बाली में जी-20 देशों की बैठक में चीन के विदेश मंत्री यी से मुलाकात करेंगे। बयान में ब्लिंकन और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच मुलाकात होने की किसी संभावना का कोई ज़िक्र नहीं है। बता दें कि लावरोव भी जी-20 की बैठक में शामिल होंगे। ब्लिंकन और लावरोव की आखिरी बार मुलाकात इस साल जनवरी में स्विट्जरलैंड के जिनेवा में हुई थी और यह निष्फल साबित हुई थी, क्योंकि एक महीने बाद ही रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया था। वहीं अमेरिका और चीन के रिश्तों में खींचतान बनी रहती है।

कराची में फंसे स्पाइसजेट के 138 यात्रियों को 11 घंटे बाद दुबई किया गया रवाना

- विमान को इंडिकेटर लाइट में खराबी के कारण कराची की ओर डायबर्ट करना पड़ा था

कराची (एजेंसी)।

दिल्ली से दुबई के लिए उड़ान भर रही स्पाइसजेट के एक विमान को इंडिकेटर लाइट में खराबी के कारण कराची की ओर डायबर्ट करना पड़ा। स्पाइसजेट एयरलाइन के प्रवक्ता की ओर से यह जानकारी दी। एयरलाइन के अनुसार विमान के कराची में लैंड करने के बाद यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया, इस दौरान किसी आपात स्थिति की घोषणा नहीं की गई। हालांकि, बाद में वैकल्पिक विमान के जरिये 138 यात्रियों को कराची से दुबई के लिए रवाना किया गया। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा कि 5 जुलाई 2022 को स्पाइसजेट के बी737 विमान की फ्लाइट एसजी-11 (दिल्ली-दुबई) को इंडिकेटर लाइट में खराबी के कारण कराची की ओर डायवर्ट किया गया था। विमान कराची में सुरक्षित लैंड हुआ। यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस दौरान आपात स्थिति की घोषणा नहीं की गई। विमान ने सामान्य लैंडिंग की।

विमान में उड़ान से पहले खराबी की कोई रिपोर्ट नहीं थी। यह घटना दिल्ली से जबलपुर की उड़ान भर रहे स्पाइसजेट क्यू400 एयरलाइन के केबिन में धुआं भरने के बाद वापस दिल?ली लौटने के दो दिन बाद सामने आई है। यह विमान 5 हजार फीट की ऊंचाई

पर था, जब क्रू ने पहली बार धुआं देखा और स्मोक अलार्म बज गया। जब फ्लाइट 14 हजार फीट की ऊंचाई पर पहुंची तो धुआं बढ़ने लगा। इसके बाद उसने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को जानकारी दी और सहायता मांगी। बाद में फ्लाइट को दिल्ली वापस लाया गया। सेफ लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को उतारा गया।

इससे पहले भी स्पाइसजेट के विमान को लेकर कई घटनाएं सामने आई हैं। 19 जून को दिल्ली से जबलपुर जा रही स्पाइसजेट के विमान को खराब के चलते फिर से दिल्ली लौटना पड़ा। दरअसल, जब विमान 5000 मीटर की फीट की ऊंचाई पर था तभी केबिन में अचानक से धुआं फैलने लगा। इसके चलते दिल्ली में विमान की लैंडिंग करानी पड़ी। इसके कुछ देर बाद दूसरे विमान से यात्रियों को जबलपुर ले जाया गया। वहीं इस घटना से पहले भी पटना में स्पाइसजेट का विमान पक्षी से टकरा गया था, जिसके चलते एक इंजन में आग लग गई थी। इसके बाद विमान की पटना एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

रूस को अलग थलग किये जाने के प्रयासों का समर्थन नहीं करने के लिए भारत की सराहना करते हैं: रूसी राजदूत

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

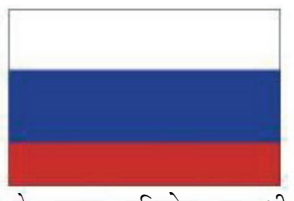

भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने मंगलवार को कहा कि बहुपक्षीय मंचों पर उनके देश को अलग-थलग करने के प्रयासों का समर्थन नहीं करने के लिए रूस भारत की सराहना करता है और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार बढ़ रहा है। अलीपोव ने यह भी कहा कि ब्रिक्स (ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका) के विस्तार के विचार को डीजिटल माध्यम से समूह के हालिया शिखर सम्मेलन में सैद्धांतिक समर्थन मिला है, लेकिन उन्होंने कहा कि मामले में कोई भी जल्दबाजी प्रतिकूल हो सकती है। उन्होंने रूसी प्रकाशन 'स्पूतनिक' से बातचीत में कहा, 'ऐसी प्रक्रिया के सिद्धांतों, मानकों और प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से सोचना आवश्यक है, जिसे चर्चा और आम सहमति से विकसित किया जाना चाहिए।' भारत और रूस के संबंध में बारे में अलीपोव ने कहा कि यह साझेदारी एक गहरी रणनीतिक नींव पर टिकी है, जो न केवल मजबूत ऐतिहासिक जड़ों पर आधारित है, बल्कि भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के समान दृष्टिकोण पर भी आधारित है। उन्होंने कहा, 'हम यूक्रेन की घटनाओं के वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन के लिए नई दिल्ली के आभारी हैं। स्पष्ट रूप से, वे मौजूदा भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक स्थिति की पृष्ठभूमि को समझते हैं ... वे वर्तमान वैश्विक खाद्य और ऊर्जा संकट की उत्पत्ति में गैर कानूनी प्रतिबंधों की विनाशकारी भूमिका देखते हैं।' अलीपोव ने कहा कि भारत बहुपक्षीय मंचों पर रूस को अलग-थलग करने के प्रयासों का समर्थन नहीं करता है और अन्य प्रमुख वैश्विक तथा क्षेत्रीय समस्याओं की अनदेखी कर, अंतरराष्ट्रीय एजेंडे को संघर्ष तक सीमित करने की पश्चिम के रूख की आलोचना करता है। उनकी टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन संकट की पृष्ठभूमि में वैश्विक ऊर्जा और खाद्य बाजारों की स्थिति पर चर्चा करने के कुछ दिनों बाद आई है।

बोरिस जॉनसन की बढ़ी मुश्किलें, वित्त मंत्री ऋषि सुनक और हेल्थ सेक्रेटरी साजिद जावेद ने दिया इस्तीफा

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की मुश्किलें बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। जानकारी के मुताबिक ब्रिटेन के वित्त मंत्री ऋषि सनक ने बोरिस जॉनसन की सरकार को संकट में डालते हुए इस्तीफा दे दिया है। ऋषि सनक के अलावा स्वास्थ्य सचिव साजिद जाविद ने भी इस्तीफा दे दिया है। सनक ने अपने पत्र में कहा कि वह 'सरकार छोड़ने से दुखी' थे, लेकिन इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि 'हम इस तरह से जारी नहीं रख सकते'। ऋषि सनक ने अपने त्याग पत्र में कहा, 'जनता सही ढंग से उम्मीद करती है कि सरकार सही ढंग से, सक्षम और गंभीरता से संचालित होगी। मैं मानता हूं कि यह मेरा आखिरी मंत्री पद हो सकता है, लेकिन मेरा मानना है कि ये मानक लड़ने लायक हैं और इसलिए मैं इस्तीफा दे रहा हूं।'

कदाचार से दबाव का सामना कर रहे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को उस समय नए दबाव का सामना करना पड़ा जब एक पूर्व नौकरशाह ने हाल में निलंबित किए गए कंजर्वेटिव पार्टी के एक सांसद के कदाचार के आरोपों से डाउनिंग स्ट्रीट के निपटने के तौर तरीकों को लेकर बात की। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय में 2015 और 2020 के बीच स्थायी सचिव रहे लॉर्ड साइमन मैकडॉनल्ड ने संसद के मानक आयुक्त को पत्र लिखकर कहा कि डाउनिंग स्ट्रीट ने क्रिस पिंचर के बारे में गलत दावे किए जिन्होंने पिछले हफ्ते कंजर्वेटिव पार्टी के उप-मुख्य सचेतक के पद से इस्तीफा दे दिया था और नशे में दुर्व्यवहार करने की बात स्वीकार की थी।

लेफ्टिनेंट जनरल मोहन सुब्रमण्यम संयुक्त राष्ट्र के नए सैन्य कमांडर, शैलेश तिनाइकर की जगह लेंगे

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल मोहन सुब्रमण्यम को दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन (यूएनएमआईएसएस) का अपना नया 'फोर्स कमांडर' नियुक्त किया है। वह भारतीय सेना से ही नाता रखने वाले लेफ्टिनेंट जनरल शैलेश तिनाइकर की जगह लेंगे। एजेंसी से मंगलवार को जारी एक बयान में कहा गया, '' यूएनएमआईएसएस फोर्स कमांडर के रूप में उनके (तिनाइकर के) अथक समर्पण, अमूल्य सेवा और प्रभावी नेतृत्व के लिए महासचिव उनके आभारी हैं।'' लेफ्टिनेंट जनरल शैलेश तिनाइकर को गुतारेस ने मई 2019 में यूएनएमआईएसएस का 'फोर्स कमांडर' नियुक्त किया था।

लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमण्यम ने 36 वर्ष तक भारतीय सेना में सेवाएं दीं। हाल ही में, उन्होंने मध्य भारत में मिलिट्री रीज़न

(ऑपरेशनल एंड लॉजिस्टिक रेडीनेस ज़ोन) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में अपनी सेवाएं दीं। इससे पहले, उन्होंने 2019 से 2021 तक रक्षा मंत्रालय (सेना) के एकीकृत मुख्यालय में खरीद एवं उपकरण प्रबंधन के लिए अतिरिक्त महानिदेशक और 2018 से 2019 तक 'स्ट्राइक इन्फैंट्री डिवीज़न' में डिप्टी जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में कार्य किया। 2015 से 2016 तक 'इन्फैंट्री डिवीज़न' के डिप्टी जनरल ऑफिसर कमांडिंग और 2013 से 2014 तक 'माउंटेन ब्रिगेड' के कमांडर के रूप में भी उन्होंने अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने 2008 से 2012 के बीच वियतनाम, लाओस और कंबोडिया में भारत के रक्षा प्रभारी के रूप में और 2000 में सिएरा लियोन में संयुक्त राष्ट्र मिशन के साथ एक 'स्टाफ ऑफिसर' के रूप में कार्य किया था।

लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमण्यम के पास रक्षा एवं प्रबंधन अध्ययन और सामाजिक विज्ञान में 'मास्टर ऑफ फिलॉसफी' की डिग्री है। गौरतलब है कि भारत, संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में सबसे अधिक योगदान देने वाले देशों में से एक है। दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में नवंबर 2021 तक 17,982 कर्मी तैनात थे। भारत, यूएनएमआईएसएस में दूसरा सबसे बड़ा सैन्य-योगदान करने वाला देश है। मिशन में 2385 शांतिरक्षकों के साथ भारत दूसरे स्थान पर है। सबसे अधिक शांतिरक्षक रवांडा के हैं। भारत के वर्तमान में यूएनएमआईएसएस में 30 पुलिस कर्मी तैनात हैं।

किसान परिवार में जन्में थे 14वें दलाई लामा, जानिए तिब्बती धर्मगुरु के बारे में रोचक बातें

वॉशिंगटन। (एजेंसी)।

दुनिया आज दलाई लामा का 87वां जन्मदिन मना रही है।14वें दलाई लामा तेंजिन ग्यात्सो का जन्म 6 जुलाई, 1935 को पूर्वी तिब्बत में हुआ था। चीन सरकार की दमनकारी नीतियों के चलते उन्हें तिब्बत छोड़ना पड़ा था और 31 मार्च, 1959 को वह चीन से भागकर भारत आ गए थे। तब से दलाई लामा हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्थित मैक्लोडगंज में रहकर तिब्बत की संप्रभुता के लिए अहिंसात्मक संघर्ष कर रहे हैं। दुनिया भर में घूमने वाले तिब्बती आध्यात्मिक नेता, तिब्बती निर्वासन आंदोलन का वैश्विक चेहरा उनकी प्रेम और करुणा में उनके विश्वास और भारत के प्रति उनके लगाव के लिए जाने जाते हैं।बता दें कि तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा के जन्मदिन के अवसर पर स्कूली छात्रों और विदेशी समर्थकों सहित सैकड़ों तिब्बती मुख्य बौद्ध मंदिर, त्सुगलगखांग में एकत्रित हुए। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

जानकारी के लिए बता दें कि अपने पूरे जीवन में दलाई लामा ने शांति, सद्भाव और अहिंसा के प्रतीक के रूप में दुनिया के राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक नेताओं के बीच प्रमुखता हासिल की है।इसके अलावा वह चीन के अलोकतांत्रिक, धर्म-विरोधी और मानव-विरोधी रवैये और चीनी प्रशासन के तहत तिब्बतियों की अनकही पीड़ाओं को उजागर करने में भी सफल रहे हैं।चीन ने हमेशा तिब्बत के मामलों में दखल दिया है और लोगों को उनकी साधना करने से रोकने की कोशिश की है। दलाई लामा ने तिब्बती स्वतंत्रता आंदोलन के लिए व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल किया है।

14वें दलाई लामा के बारे में कुछ अज्ञात और रोचक बातें

1) 14वें दलाई लामा अपने सभी पूर्ववर्तियों में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले और सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाले हैं

2) दलाई लामा के कुछ दिलचस्प शौक पुरानी घड़ियों की मरम्मत करना है। उन्हें विज्ञान में गहरी रुचि के लिए जाना जाता है।

3) रिपोर्टों के अनुसार, 14वें दलाई लामा छह साल की उम्र में साधु बन गए।

4) जब दलाई लामा युवा थे, तो ऑस्ट्रियाई पर्वतारोही और खोजकर्ता हेनरिक हैरर के साथ उनकी घनिष्ठ मित्रता हो गई, जिनकी पुस्तक 'सेवन इयर्स इन तिब्बत' इसी दोस्ती से प्रेरित है।

5) दिलचस्प बात यह है कि 14वें दलाई लामा का परिवार तिब्बत से होने के बावजूद तिब्बती भाषा नहीं बोलता था। उन्होंने चीनी बोली जो चीन के पश्चिमी प्रांतों में मौजूद थी।

6) -दलाई लामा रोज सुबह 3 बजे उठते हैं और सुबह 5 बजे तक ध्यान करते हैं।